



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 165

प्रयागराज, गुरुवार 15 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया, भारत ने नाम बदले थे, इनमें गोगरा-हॉट स्प्रिंग जहां 2020 में दोनों देशों की सेनाएं टकराईं

बीजिंग/नई दिल्ली। चीन ने लद्दाख की 28 जगहों पर अपना बताया है। चीन ने मंगलवार को इन जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति भी जताई। चीन ने कहा- ये इलाके हमारे हैं और भारत के नाम बदलने या नया नाम रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं। माओ के



क्षेत्र मानता है। भारत बोला- लद्दाख हमारा हिस्सा, इनकार करने से हकीकत नहीं बदलेगी- चीन की आपत्ति पर भारत ने भी जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि लद्दाख भारत का हिस्सा है। चीन के

इनकार करने से यह हकीकत नहीं बदलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इन जगहों के नाम सर्वे ऑफ

और लोगों को उनके बारे में जानकारी देना है। भारत ने 28 जगहों के नाम क्यों तय किए? भारत के गृह मंत्रालय ने 2 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर लद्दाख की 28 जगहों और क्षेत्रों के नाम तय किए थे। भारत का फैसला 2023 में चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नाम बदलने के जवाब में उठाया गया था। चीन अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनाना' यानी दक्षिणी तिब्बत कहता रहा है। गोगरा और हॉट स्प्रिंग पूर्वी लद्दाख के संवेदनशील इलाके- भारत ने जिन जगहों के नाम तय किए, इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग भी शामिल हैं। ये पूर्वी लद्दाख के संवेदनशील इलाके हैं, जहां भारत और चीन के सैनिकों के बीच सीमा पर तनाव रहा है। इन जगहों पर भारतीय सैनिक गश्त भी करते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के पूर्व चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस को अमेरिका के न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर विरोध का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट पर मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और 'आतंकवादी' कहा। लोगों ने उन पर बांग्लादेश में हत्याएं कराने और लोकतंत्र को बर्बाद करने के आरोप लगाए। उन्होंने यूनुस से कहा कि तुम यहां क्यों आए हो, वापस जाओ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग यूनुस के खिलाफ नारे लगाते और उन पर सवाल उठाते नजर आ रहे हैं। हालात को देखते हुए यूनुस और उनकी सहयोगी लामिया मोर्शेद को एयरपोर्ट के अंदर वापस ले जाया गया। दर्शनकारियों ने हजारों लोगों की मौत का आरोप लगाया- प्रदर्शनकारियों ने यूनुस पर हजारों पुलिसकर्मियों की मौत के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। उन्होंने यह दावा भी किया

पूर्व बांग्लादेशी एडवाइजर यूनुस को लोगों ने आतंकवादी कहा, न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर घेरा सरकार बोली- विरोध करने वालों पर कार्रवाई करेंगे

मोहम्मद यूनुस को घेरने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस घटना को 'अवामी लीग का आतंक' बताया। जाहदे ने विदेशों में रहने वाले अवामी लीग के सदस्यों को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने ऐसी हरकत की, तो उन्हें भी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यूनुस का विरोध करने वालों पर किस कानून के तहत कार्रवाई होगी। यूनुस के कार्यकाल में हिंसा और गिरफ्तारियों पर उठे सवाल- शेरमोजुददीन ने मुकदमा चलाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**



हुई है। बांग्लादेश के एक मीडिया संस्थान ने उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का समर्थक बताया है। सरकार बोली- यूनुस को घेरने वालों पर कार्रवाई करेंगे- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार जाहेद उर रहमान ने मंगलवार को कहा कि न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर

कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यूनुस का विरोध करने वालों पर किस कानून के तहत कार्रवाई होगी। यूनुस के कार्यकाल में हिंसा और गिरफ्तारियों पर उठे सवाल- शेरमोजुददीन ने मुकदमा चलाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

संभाली थी। उनके कार्यकाल में बांग्लादेश में हिंसा नहीं रुकी। हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले हुए, लोगों को गिरफ्तार किया गया और हिरासत में मौतों के मामले सामने आए। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि यूनुस सरकार ने उसके नेताओं और समर्थकों को निशाना बनाया। मानवाधिकार संगठनों ने भी हिंसा और हिरासत में कथित दुर्व्यवहार के मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की थी। हसीना की सरकार गिरने के बाद डेढ़ साल सत्ता में रहे यूनुस- अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद यूनुस ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया। उनकी सरकार करीब डेढ़ साल तक सत्ता में रही। 2025 में बांग्लादेश के एक विशेष ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना की गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

इजराइल पहुंची अमेरिकी फ्लाइट को बम की धमकी, कल इंडोनेशियाई पायलट के कारण विमान लौटाया फ्लाईडुबई हादसे के बाद 11 देशों के पायलटों पर रोक

तेल अवीव। अमेरिका के न्यूयॉर्क से तेल अवीव पहुंची डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट को मंगलवार को बम की धमकी मिली। विमान खाली कराकर तलाशी ली गई, लेकिन कोई



विस्फोटक नहीं मिला। इससे एक दिन पहले इंडोनेशियाई पायलट लेव कारण इजराइल ने इथियोपियन एयरलाइंस के कार्गो विमान को उतरने की मंजूरी नहीं दी थी। पायलट बदलने के बाद विमान को अनुमति मिली। सितंबर में फ्लाईडुबई की फ्लाइट में हुए हादसे के बाद इजराइल ने सुरक्षा नियम सख्त कर 11 देशों के पायलटों और क्रू पर रोक लगा दी। इनमें अफगानिस्तान, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कुवैत, नाइजर, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया और वेनेजुएला शामिल हैं। इन देशों के इजराइल से राजनयिक संबंध नहीं हैं। विमान का ईंधन समुद्र के ऊपर गिराना पड़ा- इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट में सवार

क्रू मेंबर्स की लिस्ट विमान के अदीस अबाबा से उड़ान भरने के बाद इजराइल को भेजी गई थी। यानी विमान के रवाना होने से पहले इजराइल को उसके क्रू की पूरी जानकारी नहीं मिली थी।

विमान में उड़ान भरते समय काफी ईंधन था। पायलट को वापस अदीस अबाबा लौटना था, इसलिए विमान का वजन कम करने के लिए समुद्र के ऊपर ईंधन गिराया गया। इसके बाद पायलट को बदल दिया गया। नए पायलट को इजराइल में उतरने की मंजूरी मिलने के बाद विमान के दोबारा वहां जाने का रास्ता साफ हुआ। फ्लाईडुबई की फ्लाइट में पायलट ने किया था हमला- 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की फ्लाइट में ओमान के पायलट ने दूसरे पायलट पर चाकू से हमला कर दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर विमान को इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर गिराने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, कई

यात्रियों ने बीच में आकर उसे रोक दिया और विमान की सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। ईरान-पाकिस्तान के नागरिक भी आसानी से इजराइल आ रहे थे- फ्लाईडुबई की घटना के बाद जांच में पता चला था कि दुश्मन देशों के सैकड़ों क्रू मेंबर पहले भी इजराइल आ चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना था। इजराइल के परिवहन मंत्रालय ने विदेशी एयरलाइंस के लिए नियम सख्त कर दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान, इराक, लेबनान और पाकिस्तान जैसे देशों की नागरिकता रखने वाले पायलट और दूसरे विमान कर्मचारी पिछले कुछ सालों में आसानी से इजराइल आ रहे थे।

इजराइली मीडिया के मुताबिक, देश की सुरक्षा एजेंसियां कई सालों से विदेशी एयरलाइंस के कर्मचारियों की जांच में कमियों को लेकर चेतावनी दे रही थीं। उनका कहना था कि परिवहन मंत्रालय इजराइल आने वाली विदेशी एयरलाइंस और उनके क्रू मेंबर्स की पर्याप्त सुरक्षा जांच नहीं कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी एयरलाइंस की ओर से संचालित इजराइली उड़ानों की जांच में भी कमियां थीं। इस पर परिवहन मंत्रालय ने कहा था कि उसके पास खुफिया जानकारी जुटाने के लिए जरूरी तंत्र नहीं हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

एअर इंडिया फ्लाइट में हाइजैक अलर्ट, जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग, जर्मनी से दिल्ली आ रहा था

जयपुर/नयी दिल्ली। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एअर



इंडिया की फ्लाइट एआई-2030 की बुधवार सुबह जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट से अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को हाइजैक का सिग्नल मिला था। यह जानकारी जयपुर एटीसी से साक्षा की गई। करीब 45 मिनट बाद विमान को जयपुर में उतारा गया। शुरुआती जांच में पायलट की गलती से

विमान ने 13 अक्टूबर की रात 9:45 बजे फ्रैंकफर्ट से उड़ान भरी थी। उसे 14 अक्टूबर की सुबह 10:40 बजे दिल्ली पहुंचना था, लेकिन जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। 30 सितंबर को इजराइल जा रही फ्लाईडुबई फ्लाइट से भी हाइजैक सिग्नल कोड 7500 भेजा गया था। इस प्लेन को पायलट ने हाइजैक और क्राई करने की कोशिश की थी,

लेकिन भारतीय को-पायलट कैप्टन रमिस्त मच्छर ने ऐसा होने से रोक दिया था। एयरक्राफ्ट की जांच पूरी, कुछ संदिग्ध नहीं मिला-सीआईएसएफ की टीम ने जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे एयरक्राफ्ट की जांच पूरी कर ली गई है। एयरक्राफ्ट में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल पायलट से सुरक्षा एजेंसी पूछताछ कर रही हैं। संभावना है कि कुछ देर बाद फ्लाइट फिर से दिल्ली के लिए उड़ान भर सकती है। पायलट ने गलती से दबाया था अलर्ट वाला बटन-शुरुआती जानकारी में बताया जा रहा है कि पायलट ने गलती से 7500 बटन दबा दिया था।

कुछ सेकेंड के लिए ही बटन दबाया गया था। इसके बाद वापस इसे ऑफ कर दिया गया था। लेकिन बीते दिनों हुए घटनाक्रम और एविएशन नियमों के तहत अहमदाबाद एयरपोर्ट से मिले मैसेज के कारण फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई।

हॉलीवुड सिंगर बोली- सीजेपी को अमेरिका से फंडिंग मिल रही, भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे

वॉशिंगटन डीसी। हॉलीवुड सिंगर मैरी मिलबेन ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी को अमेरिका से फंडिंग मिल रही है। उन्होंने



कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विरोधी अमेरिकी डोनर्स अभिजीत दीपके को पैसा भेज रहे हैं। उनके मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल भारत में अशांति फैलाने और सरकार के काम में रुकावट डालने के लिए किया जा रहा है। मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट कर भारत के युवाओं से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'यह चुप रहने का समय नहीं है।' मिलबेन ने दावा किया कि कुछ यूएस डोनर्स दुनियाभर के रूढ़िवादी नेताओं को निशाना बनाने का एक तय तरीका अपनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'वे उस देश से अमेरिका में पढ़े किसी व्यक्ति को ढूँढते हैं, उसे कट्टर बनाते हैं, वापस देश भेजते हैं और अराजकता व तबाही फैलाने के लिए फंड करते हैं।' मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक सफर का बचाव करते हुए कहा कि वह 25 साल से सरकार में रहकर लोगों की सेवा

कर रहे हैं और 12 साल से प्रधानमंत्री हैं। वह अमेरिका से आने वाली उन ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे। मिलबेन ने पीएम मोदी से पहली मुलाकात में पैर छुए थे- मैरी मिलबेन अमेरिकी सेंटर और एक्ट्रेस हैं। भारत में उन्हें 2022 में देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर पहचान मिली थी। जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने भारत का

राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया था। इस दौरान उन्होंने मोदी के पैर भी छुए थे, जिसके बाद भारत में उनकी काफी चर्चा हुई। अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। इसके बाद उन्होंने दिसंबर 2023 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत को मोदी की लोकप्रियता से जोड़ा। मार्च 2024 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने पर भी मिलबेन ने मोदी सरकार के फैसले की तारीफ की थी। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भारतीय मतदाताओं से मोदी को वोट देने की अपील भी की थी। दीपके ने कहा था- सीजेपी का खर्च दोस्त मिलकर उठाते हैं- कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं।

ओपन-एआई ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाला गिरफ्तार, टीवी के पीछे रिकॉर्डर लगाया था, सऊदी नागरिक की पहचान

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिकी कंपनी ओपन-एआई के सैन फ्रांसिस्को ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाले कर्मचारी को



बनाने में मदद ली-एफबीआई अधिकारियों का आरोप है कि अलफोजान ने डिवाइस लगाने की तैयारी पहले से कर रखी थी। उसने कंपनी के मीटिंग रूम, अधिकारियों के आने-जाने के समय और दूसरी कंपनियों के साथ होने वाली बैठकों की जानकारी जुटाई थी। उसने अपनी पत्नी के एआई चैटबॉट अकाउंट पर कई सवाल पूछे थे। इनमें डिवाइस कैसे बनाना है, उसे कहां और कैसे लगाना है, उससे आवाज रिकॉर्ड हो रही है या नहीं, उसे कैसे छिपाना है और दूर से उसका इस्तेमाल कैसे करना है, जैसे सवाल शामिल थे। जिस मीटिंग रूम में यह डिवाइस लगाया गया था, वहां ओपन-एआई के अधिकारी कंपनी से जुड़े अहम मामलों पर चर्चा करते थे। सीसीटीवी फुटेज में अलफोजान को कई दिनों तक कॉन्फ्रेंस रूम के आसपास देखा गया। जबकि उसे वहां जाने या उन बैठकों में शामिल होने की इजाजत नहीं थी। दोष साबित होने पर 5 साल तक की जेल- 35 साल के अलफोजान अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की अनुमति रखता है। वह जुलाई 2025 में ओपन-एआई से जुड़ा था। 9 अक्टूबर को गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को अलफोजान को पहली बार फेडरल कोर्ट में पेश किया गया। अमेरिकी न्याय

विभाग के मुताबिक, दोष साबित होने पर उन्हें 5 साल तक की जेल, 2.5 लाख डॉलर (करीब 2.3 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना और तीन साल तक निगरानी में रहने की सजा हो सकती है। ओपन-एआई ने नौकरी से निकाला, डेटा चोरी के सबूत नहीं-ओपन-एआई ने कहा कि फिलहाल उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे पता चले कि अलफोजान ने कंपनी के एआई मॉडल के मूल डेटा, सोर्स कोड या ग्राहकों की जानकारी तक

कमजोर करना-ईरान और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से संबंध हैं। सऊदी अरब और अमेरिका आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान हतियार, ट्रेनिंग और तकनीकी मदद देता है। इससे हूती झूठ और मिसाइलों से हमले करने में सक्षम हुए हैं। इसी वजह से हूती इजराइल और मिडिल ईस्ट कई देशों के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा बन चुके हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

विभाग के मुताबिक, दोष साबित होने पर उन्हें 5 साल तक की जेल, 2.5 लाख डॉलर (करीब 2.3 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना और तीन साल तक निगरानी में रहने की सजा हो सकती है। ओपन-एआई ने नौकरी से निकाला, डेटा चोरी के सबूत नहीं-ओपन-एआई ने कहा कि फिलहाल उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे पता चले कि अलफोजान ने कंपनी के एआई मॉडल के मूल डेटा, सोर्स कोड या ग्राहकों की जानकारी तक



गलत तरीके से पहुंच बनाई या उसे बाहर भेजा। कंपनी ने घटना के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया। अलफोजान वेंचर कैपिटल फर्म राइट वेंचर्स में भी वेंचर पार्टनर हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, ओपन-एआई में वे इंजीनियरिंग लीड था और एआई एजेंट्स और डेटा प्लेटफॉर्म पर काम करता था। इससे पहले अलफोजान मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और जर्मनी की एक सॉफ्टवेयर कंपनी एसएपी में भी काम कर चुका है। उसने एमआईटी से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

पोप लियो को लंग कैंसर, ट्यूमर की सर्जरी के दौरान पता चला, पिछले साल मई में सर्वोच्च धर्मगुरु चुने गए थे

रोम। पोप लियो 14 को लंग कैंसर होने की पुष्टि हुई है। वैटिकन ने मंगलवार को मीडिकल बुलेटिन जारी कर इसकी



जानकारी दी। दरअसल 71 साल के पोप के फेफड़े में ट्यूमर मिला था, जिसे निकालने के लिए रोम के एक अस्पताल में उनकी 90 मिनट तक सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान उनके दाएं फेफड़े का निचला हिस्सा निकाला गया। जांच में इसमें कैंसर होने की पुष्टि हुई। वैटिकन के मुताबिक, सर्जरी सफल रही और इस दौरान कोई परेशानी नहीं आई। सर्जरी के बाद पोप को होश भी

आ गया था। पोप लियो 14 को 8 मई 2025 को कैथोलिक चर्च का 267वां पोप चुना गया था। वे अमेरिका से आने वाले पहले पोप हैं।

ऑपरेशन से पहले भी कैंसर का शक था- पोप लियो 14 ने रविवार को अपनी सर्जरी की जानकारी दी थी। उन्होंने रोम में सेंट पीटर्स स्क्वायर में पब्लिक रूप से अपने फेफड़े की गांठ सीमित है और शुरुआती चरण में ही इसका पता चल गया। डॉक्टरों ने उन्हें गांठ हटाने के लिए सर्जरी कराने की सलाह दी थी। फेफड़ों में बनने वाली छोटी गांठों को पल्मोनरी नोड्यूल कहा जाता है। ये गांठें आम होती हैं और जरूरी नहीं कि कैंसर वाली हों। वैटिकन ने बताया कि

पोप के फेफड़े में गांठ मिलने के बाद हुई जांच में पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा यानी कैंसर की पुष्टि हुई। ऑपरेशन से पहले की जांच में भी इसी तरह के कैंसर का शक था। कैंसर फैलने की जांच कर रहे डॉक्टर- पोप के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सुनकर बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने पहुंचे। लोगों ने घंटों इंतजार किया। पोप की कार पहुंचने पर उन्होंने उनका स्वागत किया। पोप ने भी कार की खिड़की से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। एएफपी के मुताबिक, उनकी सफल सर्जरी के बाद डॉक्टर अब जांच कर रहे हैं कि कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों में तो नहीं फैला है। पोप को उनके स्वास्थ्य के चलते आराम करने की सलाह दी गई है। उनके सार्वजनिक कार्यक्रम भी 20 अक्टूबर तक रद्द कर दिया गया है। जानिए पोप कौन होते हैं और कैसे चुने जाते हैं- पोप कैथोलिक ईसाई धर्म के सबसे बड़े धर्मगुरु होते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

ब्यौहारी में दुर्गात्सव का शंखनाद, जगह-जगह सजे भव्य पंडाल, कहीं जल संरक्षण तो कहीं हरियाली का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। मंगलवार को शरद

को प्रेरित किया जा रहा है। नगर में वाई क्रमांक 9 मार्तंड गंज 4,



नवरात्रि को लेकर ब्यौहारी नगर में उत्साह का माहौल है। नगर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख चौराहों पर दुर्गा पंडाल सजकर तैयार हो रहे हैं। मां दुर्गा की आराधना के साथ इस बार पंडालों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता की अנוठी पहल भी देखने को मिल रही है। कहीं जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है, तो कहीं वृक्षारोपण और हरियाली बढ़ाने के लिए लोगों

वाई क्रमांक बांसुकली चौराहा लक्ष्मी नारायण मंदिर सहित ब्यौहारी में विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पंडाल सजाए गए हैं। आकर्षक सजावट और धार्मिक तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। इस बार दुर्गात्सव केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का माध्यम भी बन रहा है। जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को पंडालों के जरिए आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ब्यौहारी में नवरात्रि का रंग चढ़ने लगा है। जगह-जगह मां दुर्गा की स्थापना की तैयारियां और पंडालों की सजावट पर्व की रौनक बढ़ा रही हैं। श्रद्धालु मां दुर्गा की भक्ति में लीन होने के लिए उत्साहित हैं। नगर में धार्मिक उल्लास के बीच पर्यावरण संरक्षण का संदेश इस पर्व को एक नई पहचान दे रहा है।

राजकीय आईटीआई में पंचम चरण प्रवेश हेतु आवेदन 15 अक्टूबर तक जमा करें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राजबरेली। मंगलवार को



प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि जनपद के 05 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं 02 पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) संस्थानों में चतुर्थ चरण प्रवेश के उपरान्त पंचम चरण में प्रवेश हेतु गैर चयनित अभ्यर्थी द्वारा हस्ताक्षरित रैंक पत्र एवं आवेदन पत्र का प्रिंटआउट 13 अक्टूबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 04:00 बजे तक वेबसाइट www.scvtup.in से निकालकर जनपद के किसी भी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में

चयनित अभ्यर्थियों की सूची 16 अक्टूबर 2026 की सायंकाल संबंधित संस्थान के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को प्रत्येक दश में 17 अक्टूबर 2026 तक अपना प्रवेश लेना सुनिश्चित करना होगा।

निर्धारित अंतिम तिथि के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्यालय में नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई, गोरा बाजार, रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

नैनी में मोबाइल गुम होने की रिपोर्ट दर्ज, पुलिस ने जारी की सूचना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को नैनी क्षेत्र में एक व्यक्ति का मोबाइल फोन गुम होने के संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस में सूचना दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा जारी गुमशुद्दी रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता अंजलि गुप्ता पत्नी घनश्याम गुप्ता का मोटो एन 60

भाजपा यमुनापार,प्रयागराज की महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर श्रीमती आरती सिंह का,अंगवस्त्रम,पुष्पगुच्छ,मोमेंटो से अनंत हार्दिक स्वागत एवं आत्मीय अभिनंदन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार, प्रयागराज की महिला

भागीदारी और सशक्त होगी। पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने कहा कि निश्चित



मोर्चा जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर श्रीमती आरती सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके नैनी निवास पर पहुंचकर उन्हें नवीन दायित्व के लिए अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ, मोमेंटो से हार्दिक स्वागत एवं आत्मीय अभिनंदन करते हुए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्याय सरदार पतविन्दर सिंह ने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में महिला मोर्चा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्राप्त होगी तथा संगठन की नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय

रूप से यह दायित्व संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद एवं सहभागिता को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल एवं सफल दायित्व निर्वहन की मंगलकामनाएं की। संजय श्रीवास्तव, सरदार पतविन्दर सिंह,के.के.शुक्ला महामंत्री सोमेश्वर मंडल,पं दामोदर प्रसाद तिवारी सेक्टर संयोजक,अरैल सुभाष कुशवाहा सेक्टर संयोजक,सूर्य गीत,ऋषि,नीरज शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन,भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 55 श्रमिकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, 31 का पंजीयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को सेवा



संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशानुसार श्रम विभाग एवं चिकित्सा विभाग द्वारा श्रमिकों के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार, पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षा के लिए सी0एम0 कम्पोजिट विद्यालय, बेला भेला उत्तर पारा, रायबरेली में संयुक्त रूप से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर

लखनऊ जंक्शन पर प्लास्टिक से बनीं आकर्षक बेंचें, रेलवे ने बिना खर्च किए बदली तस्वीर! 225 किलो प्लास्टिक कचरे का हुआ सदुपयोग, फ्लेटफॉर्म पर यात्रियों को मिलेगी बैठने की सुविधा!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मंगलवार को कचरे को बोझ नहीं, उपयोगी संसाधन बनाने की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने अनूठी पहल



की है। लखनऊ जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या छह पर बेकार प्लास्टिक से तैयार पांच बेंच स्थापित की गई हैं। खास बात यह है कि इन बेंचों को बनाने में करीब 225 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल किया गया है और रेलवे को इसके लिए कोई भुगतान भी नहीं करना पड़ा है। इस पहल से जहां प्लास्टिक कचरे का बेहतर उपयोग हुआ है, वहीं यात्रियों को बैठने की अतिरिक्त सुविधा भी मिलेगी। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के अनुसार, लखनऊ में किसी रेलवे स्टेशन पर इस तरह की बेंच स्थापित करने की यह पहली पहल है। प्रत्येक बेंच में लगभग 45 किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग किया गया है। इनके निर्माण में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के साथ ऐसे बहुस्तरीय पैकेजिंग कचरे और उच्च घनत्व वाले पॉलीथीन का भी इस्तेमाल किया गया है, जिसका पुनर्वर्णन करना आमतौर पर कठिन होता है। यह प्लास्टिक रेल परिसर

‘मिर्जापुर के चयनित कृषकों का पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)प्रयागराज।प्रसार निदेशालय, शुआदस, प्रयागराज में आत्मा योजनान्तर्गत जनपद मिर्जापुर के चयनित कृषकों का पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का दिनांक 12-16 अक्टूबर 2026 के मध्य संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर आज दिनांक 14.10.2026 को विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति (प्लांगिं, मॉनिटरिंग व डेवलपमेंट) प्रो0 (डा0) रिंतु पी. दूबे ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया । निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने मुख्य अतिथि का स्वागत उन्हें पुष्पगुच्छ प्रदान करके किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने प्रशिक्षण में सहभागिता करने वाले कृषकों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि श्रीअन्न की खेती एवं उसके प्रसंस्कृत उत्पाद तथा मृदा स्वास्थ्य एवं फसल चक्र तकनीक अपनाने हुए फसल उत्पादन करना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि मक्का की खेती से किसानों को अच्छी आजीविका मिलती है। मक्का की मांग मुख्य रूप से पशु चारा उद्योग, संशोधित मकई स्टार्च के रूप में की जाती है। राज्य की उत्पादकता के दृष्टिगत् अगर मक्का की खेती वैज्ञानिक विधि से की जाये तो यह गेहूँ की तुलना में प्रति एकड़ दोगुनी आय प्रदान करता है इसलिए मक्का किसानों की आय बढ़ाने की क्षमता रखता



एवं ग्रामीण महिलायें आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए करते हुए निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों को बताया कि विभिन्न फसलों की खेती में अभियंत्रित रसायनों के प्रयोग से उत्पादित फसलें विषयुक्त होती हैं जो कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक साबित हो रही हैं। जैविक खादों एवं कार्बनिक खादों के प्रयोग द्वारा इन समस्याओं का निराकरण प्राप्त

में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम के



चिकित्साधिकारियों और उनकी टीम द्वारा लगभग 55 श्रमिकों का ब्लड प्रेशर (बी0पी0), शुगर, बी0एम0आई0 सहित अन्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही बुखार, जुकाम एवं पेट संबंधी रोगों में पीड़ित श्रमिकों को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। शिविर में कुल 31 श्रमिकों का पंजीयन भी किया गया।इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी

शहडोल थाना जयसिंहनगर पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई,735 किलो 440 ग्राम गांजा जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार कुल मशरूका लगभग रु1 करोड़ 13 लाख 55 हजार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जिले में नशे के अवैध कारोबार एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने



हेतु सतत कार्यवाही करने तथा इसमें संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शहडोल पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के परिवहन एवं तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना जयसिंहनगर क्षेत्र में एक ट्रक से कुल 735 किलो 440 ग्राम गांजा जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 13.10.2026 को नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा रात्रि गश्त एवं प्रभात गश्त के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध ट्रक को रुकवाकर चालक एवं खलासी से पूछताछ की गई तथा संदेह के आधार पर वाहन की विधिवत तलाशी के दौरान 18 बेरियों एवं 81 पैकेटों में भरा गांजा कुल वजन 735 किलो 440 ग्राम बरामद हुआ। प्रकरण में आरोपी ट्रक चालक राहुल विश्वकर्मा पिता हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम जमीनबारी, थाना

किया गया। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध थाना जयसिंहनगर में धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस कार्यवाही में जप्त मशरूका:-735 किलो 440 ग्राम गांजा, अनुमानित कीमत रु73,50,000; ट्रक की अनुमानित कीमत रु40,00,000 तथा तीन मोबाइल फोन की कीमत रु5,000। कुल कीमत लगभग रु1,13,55,000 है। इनकी रही सराहनीय भूमिका:-उक्त कार्रवाई में एसडीओपी ब्यौहारी श्री ऋषभ चारी के मार्गदर्शन में निरीक्षक अजय बैगा, सउनि प्रमोद कुमार, सउनि सुरेश सिंह, प्र.आर. 383 आदित्य शुक्ला, प्र.आर. 538 रुस्सम सिंह, आर. 191 ऋषिकांत मिश्रा, आर. 441 नीरज शुक्ला, आर. 711 धीरेशाह बैगा, म.आर. 715 खुशबू लोधी एवं साइबर सेल टीम शहडोल की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

कचरे के निस्तारण को लेकर रेलवे का जागरूकता अभियान,यात्रियों को बताए स्वच्छता के नियम,लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों और रेलवे कॉलोनियों में चला विशेष अभियान

(आधुनिक समाचार ब्यूरो) लखनऊ। मंगलवार को स्वच्छ रेलवे परिसर स्वस्थ पर्यावरण और बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ



मंडल ने स्वच्छता पखवाड़ा -2026 के तहत जागरूकता अभियान चलाया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) महेंद्र सिंह के निदेशन में प्रमुख रेलवे स्टेशनों

को जागरूक किया गया। इसी क्रम में गोरखपुर जंक्शन और सीतापुर जंक्शन पर रेलकर्मियों एवं यात्रियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप कचरे के पृथक्करण, संग्रहण और निस्तारण की जानकारी दी गई।



और विभिन्न रेलवे इकाइयों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रति रेलकर्मियों, यात्रियों और खानपान से जुड़े कर्मचारियों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान साफ-सफाई के साथ कचरे के सही संग्रहण, पृथक्करण और निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। रेलवे प्रशासन ने कर्मचारियों, ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा (ओबीएस) कर्मियों, पेंट्रीकार स्टाफ, खानपान विक्रेताओं और ठेकेदारों को नियमों का पालन करने की जानकारी दी। विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य निरीक्षकों, स्वच्छता कर्मियों और खानपान विक्रेताओं ने जागरूकता रैलियाँ निकालकर यात्रियों को स्वच्छता का संदेश दिया। पोस्टर और प्रचार सामग्री के माध्यम से लोगों को बताया गया कि कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित इस्टबिन में डालें और गीले तथा सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, ताकि उसका उचित निस्तारण

रेलवे स्टेशनों और कॉलोनियों में संविदा कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। वहीं, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रेलवे कॉलोनी में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। रेल प्रशासन का कहना है कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित रहने वाला कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यात्रियों, रेलकर्मियों और आम लोगों के सहयोग से ही रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से लखनऊ मंडल पर स्वास्थ्य निरीक्षकों को बढ़ावा देते हुए स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों और नागरिकों से अपील की है कि वे कचरा खुले में न फेंकें, निर्धारित इस्टबिन का उपयोग करें और गीले-सूखे कचरे को अलग रखें। इस संबंध में जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी दी।

नोएडा में निजी कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनिर्वाचित कार्याध्यक्ष इमरान मसूद नोएडा कांग्रेस के नेताओं ने किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनिर्वाचित कार्याध्यक्ष एवं कांग्रेस सांसद माननीय श्री इमरान मसूद जी के नोएडा में एक निजी कार्यक्रम सेक्टर 125 में पहुंचने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्टेट कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में नोएडा कांग्रेस वेेेे वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया और उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं,प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा ने कहा है कि श्री इमरान मसूद जी को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्याध्यक्ष का दायित्व मिलने से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनके राजनीतिक अनुभव, संघर्षशील नेतृत्व और जनहित के मुद्दों पर मुखरता से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलेगी। सभी कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा जनहित की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।नोएडा कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता, किसानों, युवाओं, मजदूरों और समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है।

संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के सम्मान के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना सभी कांग्रेसजनों की प्राथमिकता है। इस अवसर पर नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा,अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चोधरी, प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा,महासचिव दयाशंकर पांडेय,सहित कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्री इमरान मसूद जी का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल को कामना की।



परमार्थ त्रिवेणी पुष्प में भव्य डांडिया एवं गरबा नाइट का आयोजन, अभिनेत्री श्वेता चौहान की प्रस्तुति पर जमकर झूमे प्रयागवासी माता के भजनों से शुरू हुई संगीतमय शाम, लाइव बैंड, ढोल और डांडिया की धुन पर देर तक थिरके लोग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अरैल घाट स्थित 20 एकड़ में फैले हरे-भरे

आध्यात्मिक वातावरण के बीच मां दुर्गा की आराधना के बाद उत्सव का संगीतमय दौर शुरू हुआ। इसके पश्चात लाइव बैंड, ढोल और डीजे की धुनों पर गरबा

के जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के कई माननीय न्यायमूर्तियों, वरिष्ठ



परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भव्य डांडिया एवं गरबा नाइट का आयोजन किया गया। परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज परमार्थ पीठाधीश्वर के आशीर्वाद से आयोजित इस सांस्कृतिक

एवं डांडिया की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में सजाबोर कर दिया। पारंपरिक परिधानों में पहुंचे युवक-युवतियों, महिलाओं और परिवारों ने सामूहिक रूप से



उत्सव में शहरवासियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। अभिनेत्री श्वेता सिंह चौहान की शानदार प्रस्तुति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। उन्होंने सर्वप्रथम माता रानी के भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाया और फिर गरबा एवं डांडिया के लोकप्रिय गीतों पर अपनी प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी प्रयागराज श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शाम छह बजे हुआ। आयोजन की शुरुआत लगभग एक घंटे तक चले हवन एवं यज्ञ से की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और

गरबा और डांडिया खेलकर इस शाम को यादगार बनाया। विशाल प्राकृतिक परिसर, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और आध्यात्मिक परिवेश ने आयोजन की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों ने भी लोगों का उत्साह बढ़ाया। धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और आधुनिक संगीत के अनूठे संगम ने इस आयोजन को विशेष पहचान दी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बाबीता सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। विशिष्ट अतिथियों में प्रयागराज

प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों तथा शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पुष्पेंद्र जी ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य प्रयागराजवासियों को एक बड़े, सुरक्षित और पारिवारिक वातावरण में गरबा एवं डांडिया की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ना है। परमार्थ त्रिवेणी पुष्प का विशाल हरित परिसर धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों के लिए एक विशिष्ट स्थल है। ऐसे आयोजन भारतीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को एक मंच पर लाने का कार्य करते हैं। आयोजन के प्रमुख आकर्षण अभिनेत्री श्वेता चौहान ने अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। माता के भजनों से शुरू हुई उनकी संगीतमय प्रस्तुति ने धीरे-धीरे गरबा और डांडिया के उल्लासपूर्ण रंग ग्रहण किए। उनकी गायकी पर दर्शकों ने तालियों और नृत्य के साथ उत्साह व्यक्त किया। पूरे परिसर में उत्सव, उमंग और सांस्कृतिक एकता का माहौल देखने को मिला। डांडिया एवं गरबा नाइट ने प्रयागराज की सांस्कृतिक जीवंतता को एक नया आयाम दिया। भक्ति, संगीत और लोकपरंपरा के संगम के रूप में आयोजित यह उत्सव शहरवासियों के लिए उल्लासपूर्ण और यादगार अनुभव बना।

महर्षि नगर की रामलीला में श्रीराम-सीता की प्रथम भेंट का मनमोहक मंचन, जनकपुर भ्रमण, पुष्प वाटिका प्रसंग और माता सीता के गोरी पूजन ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के



सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव के तीसरे दिन भगवान श्रीराम और माता सीता की प्रथम भेंट के प्रसंग का मनोहारी मंचन किया गया। मंगलवार, को रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और महर्षि विश्वामित्र के जनकपुर पहुंचने, श्रीराम-लक्ष्मण द्वारा जनकपुर बाजार का भ्रमण करने, पुष्प वाटिका में माता सीता से भेंट होने तथा माता सीता द्वारा मां गोरी का पूजन करने के प्रसंगों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत

किया गया। इन दृश्यों ने श्रद्धालुओं को रामायण की पावन कथा से जोड़ते हुए वातावरण को

सीता के इस प्रसंग ने प्रेम, मर्यादा और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। महर्षि नगर में चल रहे इस महोत्सव के दौरान श्रीरामलीला के साथ दुर्गा पूजन, वेद पाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन सुबह मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और शाम को भक्ति संगीत एवं वैदिक अनुष्ठानों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठता है। आयोजकों के अनुसार, रामलीला मंचन का उद्देश्य भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम, त्याग, कर्तव्य, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिल रही है। इस अवसर पर श्री दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्री रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान, विनोद श्रीवास्तव, शिशिर कांत श्रीवास्तव विनीत श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस पी गर्ग, श्रीकांत ओझा मनोज श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, लल्लन पाठक, दयाशंकर गुप्ता, राजेंद्र शुक्ला, राजेंद्र खंतवाल, और नरेंद्र सिंह सहित अनेक भक्त उपस्थित थे।

जनपद में 17 एवं 24 अक्टूबर को सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होंगे विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप, पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मिलेगा अवसर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी बूथों पर विशेष कैंप आयोजित कराने के लिए निर्देश, प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे बीएलओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता

दौरान जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाताओं को आवश्यक

मतदाता पंजीकरण के लिए उपलब्ध होंगे फॉर्म-6

प्राप्त राजनैतिक दलों वे प्रतिनिधियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के पश्चात छूट/नये मतदाता को जोड़े जाने के सम्बन्ध में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जनपद में मतदाता सूची को अद्यतन करने तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगामी 17 एवं 24 अक्टूबर 2026 को जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी बूथों पर विशेष कैंप को सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। विशेष कैंप के

जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराएंगे। मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों के लिए कैंप में फॉर्म-6 उपलब्ध रहेगा। इसके माध्यम से पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इन विशेष कैंपों का उद्देश्य पहली बार मतदाता बनने के लिए पात्र युवाओं तथा ऐसे नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल होने का अवसर प्रदान करना है, जिनका नाम किसी कारणवश अभी तक सूची में दर्ज नहीं हो सका है। इसके साथ ही नागरिक मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपने नाम की जांच भी कर सकेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेलप डेस्क वेग माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं

अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने निकटतम मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, तो आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए पंजीकरण के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी पात्र नागरिक मतदाता पंजीकरण अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गायिका दृष्टि पांडेय की सुरीली आवाज से गुंजा वृद्धाश्रम, भजनों और कजरी पर जमकर झूमे बुजुर्ग आईटीआई परिसर में आयोजित भजन संध्या में लोकगीत गायिका दृष्टि पांडेय (देवांशी) ने बिखेरा सुरों का जादू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आईटीआई परिसर स्थित वृद्धाश्रम में आयोजित एक

माता रानी के भक्तिमय भजनों की शुरुआत की, पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज

पर आयोजकों ने कहा कि दृष्टि ने अपनी कला के माध्यम से इन बुजुर्गों के चेहरों पर जो मुस्का



विशेष भजन संध्या और लोकगीत कार्यक्रम में देश की उभरती और प्रख्यता भजन व लोकगीत गायिका दृष्टि पांडेय (देवांशी) ने अपनी सुरीली आवाज से ऐसा समां बांधा कि वहाँ रह रहे सभी बुजुर्ग माता-पिता भक्ति के रस में सराबोर हो गए। इस पुनीत और हृदय से खूब सारा आशीर्वाद और दुआएं दी। कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध गायिका दृष्टि पांडेय (देवांशी) का बुके (गुलदस्ता) भेंट कर और अंगरक्षक पहनाकर भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर

उठा। इसवेगें बाद उन्होंने पारंपरिक 'सोहर' और सावन की शरोहर 'कजरी' गीतों की ऐसी मनमोहक तान छेड़ी कि आश्रम के असहज बुजुर्ग अपनी सुध-बुध खोकर जमकर थिरके और झूम उठे। दृष्टि के भजनों से भावविभोर होकर बुजुर्ग माताओं ने उन्हें गले लगाया और हृदय से खूब सारा आशीर्वाद और दुआएं दी। कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध गायिका दृष्टि पांडेय (देवांशी) का बुके (गुलदस्ता) भेंट कर और अंगरक्षक पहनाकर भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर

बिखेरी है, वह अत्यंत सराहनीय है। इस गरिमामय कार्यक्रम को सफल बनाने में वृद्धाश्रम के इनचार्ज धनंजय सिंह, दृष्टि के पिता देवेन्द्र पांडेय, राजकुमार द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार गौरव अवस्थी, करुणा मिश्रा, सीमा कौशल और अनग द्विवेदी समेत समाज के तमाम गणमान्य लोग और आश्रम के कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पूर्व जीएस कौशल किशोर के इस अनूठे प्रयास और गायिका दृष्टि पांडेय की अद्भुत गायकी की मुक्तकंठ से सराहना की।

गर्भावस्था और नवजात शिशु की देखभाल पर यशोदा मेडिसिटी ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम यशोदा क्रेडल एंड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल की यह पहल प्रसव की तैयारी, स्तनपान, प्रसव के बाद रिकवरी और नवजात शिशु की देखभाल पर केंद्रित रही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। माता-पिता बनने की तैयारी में सिर्फ मेडिकल चेक-अप ही काफी नहीं होते, बल्कि इसवेगें साथ-साथ प्रसव, रिकवरी, स्तनपान और नवजात



शिशु की देखभाल से जुड़ी जानकारी होना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से यशोदा मेडिसिटी के 'यशोदा क्रेडल एंड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल' ने 'यशोदा मॉम-टू-बी कार्निवल' का आयोजन किया। इसमें होने वाले माता-पिता ने विशेषज्ञों से माँ और बच्चे की सेहत से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और इंटरैक्टिव सत्रों में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में हॉस्पिटल के ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी तथा पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी साझा की। इनमें ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड डॉ. जे. बी. शर्मा, डॉ. वंदना जैन, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी, इन्फर्टिलिटी एंड एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और डॉ. प्रेरणा सिंगल, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी शामिल थीं। इसके अलावा, पीडियाट्रिक सर्जरी और पीडियाट्रिक यूरोलॉजी की प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड डॉ. मीनू बाजपेयी तथा पीडियाट्रिक्स के डायरेक्टर एवं हेड डॉ. नरेंद्र कुमार झा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सत्रों में प्रसव की तैयारी, गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, स्तनपान और नवजात शिशु की जरूरी देखभाल जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही, गर्भावस्था से पहले और उसके दौरान जरूरी मार्गदर्शन तथा स्तनपान से जुड़ी काउंसिलिंग भी दी गई, जिससे होने वाले माता-पिता को गर्भावस्था और शुरुआती पैरेंटहुड के मेडिकल एवं व्यावहारिक पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। इस कार्निवल में खेलों और कैक काटने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे आयोजन में उत्सव का

जानकारी पहुँचाना था, जो अपने बच्चे के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. पी. एन. अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, ने कहा, 'माता-पिता बनने की तैयारी के लिए भरोसेमंद मेडिकल जानकारी, व्यावहारिक मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग की जरूरत होती है। 'यशोदा मॉम-टू-बी कार्निवल' जैसी पहलों के जरिए हमारा उद्देश्य परिवारों को मातृ एवं नवजात शिशु की देखभाल को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना और उन्हें इस नए दौर का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार कराना है।' डॉ. जे. बी. शर्मा, प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, यशोदा मेडिसिटी, ने कहा, 'नियमित मेडिकल चेक-अप के साथ-साथ होने वाले माता-पिता को बच्चे के जन्म, प्रसव के बाद रिकवरी, स्तनपान और नवजात शिशु की देखभाल से जुड़ा मार्गदर्शन भी चाहिए। 'यशोदा मॉम-टू-बी कार्निवल' उनकी चिंताओं को दूर करने और उन्हें आगे आने वाले इस सफर के लिए तैयार करने में मदद करता है।

'यशोदा मेडिसिटी में ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी और पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज की सुविधा उपलब्ध है। यह हॉस्पिटल माताओं और नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञताओं को एक साथ लाता है। हॉस्पिटल का उद्देश्य मेडिकल देखभाल के साथ-साथ परिवारों को सही जानकारी देना भी है, ताकि वे गर्भावस्था, प्रसव और नवजात शिशु की शुरुआती देखभाल के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयार हो सकें।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत वृद्धजन आवास में फल एवं खाद्य सामग्री का किया गया वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत आज जिले सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर

वृद्धजनों वे सुख-दुःख में सहभागी बनने तथा उनके बेहतर जीवन के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर



संयुक्त तत्वावधान में वृद्धजन आवास में फल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनत्व और सहयोग का एहसास कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने अपने संबोधन में वृद्धजनों की देखभाल, सम्मान एवं उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभवों एवं योगदान का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिकों की सेवा एवं सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने

महिलाओं एवं समाज के अन्य संवेदनशील वर्गों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा, सम्मान और सहयोग सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृद्धजनों से संवाद स्थापित कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा फल एवं खाद्य सामग्री वितरित की। इस पहल के माध्यम से वृद्धजनों के प्रति सम्मान, सेवा एवं मानवीय संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने समाज में सेवा, सहयोग, सम्मान एवं संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी पुष्पा शर्मा, मिशन शक्ति प्रभारी पुष्पा सिंह, एचआईडब्ल्यू से शंफाली सिंह एवं पूजा तिवारी की सेवा एवं सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने

तेजसा युवती सम्मेलन का आयोजन, महिला सशक्तिकरण एवं राष्ट्र निर्माण में युवतियों की भूमिका पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं प्रांत

राष्ट्र निर्माण में युवतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य



के तत्वावधान में मंगलवार को विन्ध्य कन्या पीजी कॉलेज, रॉबर्टसगंज में तेजसी युवती सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में विकासाध्यक्ष विद्यार्थी की राष्ट्रीय संयोजक पायल राय ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और

अतिथि के रूप में कैमूर रेंज की प्रभागीय वनाधिकारी आरुषि मिश्रा उपस्थित रही और छात्राओं को संबोधित किया अंतरराष्ट्रीय कवयित्री डॉ. रचना तिवारी ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका, उनकी रचनात्मक क्षमता और सामाजिक परिवर्तन में उनकी भागीदारी पर प्रकाश

डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रेखा प्रजापति ने की, जबकि कार्यक्रम मंत्री चित्रा जालान रही। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजलि विक्रम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन के दौरान महिला सशक्तिकरण, राष्ट्र निर्माण, युवतियों का नेतृत्व, सामाजिक दायित्व और पांच परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने, आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवतियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना रहा। सम्मेलन में छात्राओं को अपने व्यक्तित्व का विकास करने, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया।।

दो दोषियों को 5-5 वर्ष की कठोर कैद-ढाई-ढाई हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी, जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी करीब 12 वर्ष पूर्व लाठी- डंडे, हाकी, बैट से मारपीट कर गम्भीर चोट पहुंचाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को करीब 12 वर्ष पूर्व पुरानी रंजिश में लाठी-डंडे, हाँकी से मारपीट कर गम्भीर चोट पहुंचाने के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषीसिद्ध पाकर दो दोषियों सुल्तान उर्फ छोदू व रोशन पनिका को 5-5 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर ढाई-ढाई हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विनोद कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय द्वारिका सिंह निवासी बेलवादेह , थाना पिपरी, जिला सोनभद्र ने अनपरा थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 24 अगस्त 2014 को अनपरा थाना क्षेत्र के डिबुलगंज का सुल्तान उर्फ छोदू

पुत्र आजाबू खान, रोशन पनिका समेत 4 लोग उसके यहां रखा पुराना लोहा उठाते हुए पकड़े गए। बाद में माफी मांगने पर छोड़ दिया गया। इसी बात की रंजिश को लेकर 31 अगस्त 2014 की शाम उसके भाई बृजेश कुमार सिंह उर्फ बबलू को डिबुलगंज दुर्गा मंदिर के पास बुलाकर लाठी डंडे व हाँकी से बेरहमी से पिटाई कर बेहोशी हाल में फेंक दिया। इसकी जानकारी मिलने पर मौके पर बबलू को बेहोशी हाल में विन्ध्यनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद गम्भीर हालत को देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। दर्ज कर लिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की

सुनवाई वे 5 दौरेान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी कानूनेंद्र शरण रॉय ने गम्भीर मामले बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की।

अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषियों सुल्तान उर्फ छोदू व रोशन पनिका को 5-5 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई।

इनके ऊपर ढाई-ढाई हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। दो अन्य आरोपियों की विचारण के दौरान मौत हो गई। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

17 एवं 24 अक्टूबर को जनपद सोनभद्र के सभी मतदेय स्थलों पर लॉगो विशेष कैम्प, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए पात्र नागरिक फार्म-6 भरकर कर सकेंगे पंजीकरण प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे बीएलओ, प्रत्येक मतदान केंद्र पर स्थापित होगी हेल्प डेस्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला निर्वाचक अधिकारी चर्चित गाँड़ ने ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के

सहायता प्रदान की जाएगी। कैम्प के दौरान प्राप्त होने वाले सभी फार्मों का सुव्यवस्थित अभिलेखीकरण किया जाएगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर

पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद के प्रत्येक



क्रम में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकरण से छूटे हुए पात्र नागरिकों तथा पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम सम्मिलित करने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में 17 अक्टूबर (शनिवार) एवं 24 अक्टूबर (शनिवार), 2026 को विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे। विशेष कैम्प दिवसों पर जनपद के प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। कैम्प में मतदाता पंजीकरण के लिए पर्याप्त संख्या में फार्म-6 उपलब्ध रहेंगे। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के इच्छुक पात्र नागरिकों को फार्म-6 के साथ नवीनतम फोटो तथा सचिवीति एवं पते से संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां नागरिकों को फार्म-6 भरने एवं मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक

संबंधित अधिकारियों द्वारा उनका निरीक्षण एवं सत्यापन किया जा सके। विशेष कैम्पों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों तथा सामाजिक संगठनों को भी कैम्पों की तिथियों की जानकारी दी जाएगी। कैम्पों के चयनित फोटो एवं वीडियो जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट तथा आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए जाएंगे। अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कैम्पों का पर्यवेक्षण किया जाएगा। संबंधित निर्वाचक राजस्वीकरण अधिकारी, सोनभद्र ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 17 एवं 24 अक्टूबर, 2026 को अपने मतदेय स्थल पर आयोजित विशेष कैम्प में पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है और वे निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं, तो फार्म-6 भरकर मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण आवश्यक है।

मतदेय स्थल पर निर्धारित तिथियों में कैम्प का आयोजन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही, प्राप्त होने वाले फार्मों का उचित रखाव, नियमित समीक्षा एवं सतत निगरानी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता न आने पाए। जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 17 एवं 24 अक्टूबर, 2026 को अपने मतदेय स्थल पर आयोजित विशेष कैम्प में पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है और वे निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं, तो फार्म-6 भरकर मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण आवश्यक है।

सोनभद्र के घोरावल में आप का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न; संजय सिंह ने वोट चोरी, बदहाल जनसुविधाओं व जबरन भूमि अधिग्रहण पर बोला तीखा हमला

ज्ञानेश कुमार ने पूरे देश में काटे 13.37 करोड़ वोट, धांधली वाले चुनाव रद्द कर बैलेट पेपर से हों

संजय विन्ध्यवासिनी एक्सप्रेसवे के नाम पर 72 गांवों की उपजाऊ जमीन की लूट बर्दाश्त नहीं, आप छेड़ेगी बड़ा आंदोलन, योगी सरकार ने 26 हजार स्कूल बंद कर शराब ठेक अड़े बनाए, मोमबत्ती की रोशनी में हो रहे ऑपरेशन, एक चोर को बचाने के लिए 1 लाख पुलिस तैनात, दिल्ली में बेटीयों व पत्रकारों पर बर्बरता शर्मनाक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/लखनऊ। मंगलवार को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार जमीन पर सक्रिय है। इसी क्रम में जनपद सोनभद्र की घोरावल विधानसभा में पार्टी द्वारा एक विशाल 'विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं जनसंवाद' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। सम्मेलन में सिंगरौली (मध्य प्रदेश) की मेयर रानी अग्रवाल, प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी, जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और विधानसभा प्रभारी सुनील पांडे सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के उपरांत प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद संजय सिंह ने केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार पर वोट चोरी, संस्थागत तानाशाही, बदहाल शिक्षा-स्वास्थ्य और किसानों की जमीन हड़पने के गंभीर आरोप लगाए। वोट चोरी का सेंट्रलाइज्ड सिंडिकेट: 13.37 करोड़ वोट काटे गए, ज्ञानेश कुमार को जेल भेजे सरकार:- सांसद संजय सिंह ने कहा कि

स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी नायकों को मिले उचित सम्मान, डीएम से मिलकर आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने साँपा पत्रक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। स्वतंत्रता संग्राम में शामिल जनपद के आदिवासी नायकों के सम्मान के लिए उनके

नायकों को सम्मान नहीं प्राप्त हो सका। डीएम के सज्ञान में लाया गया कि दोनों गांव के ग्राम प्रधानों और भूमि प्रबंधन समिति



गांव में उनकी मूर्ति स्थापित करने व स्मारक बनाने की मांग पर आज ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी चर्चित गाँड़ से मिला और उन्हें पत्रक साँपा। पत्रक की एक प्रति सांसद छोटेलाख खरवार को भी उचित कार्यवाही के लिए भेजी गई है। पत्रक में कहा गया कि बभनी ब्लॉक के गांव घघरा के शनिचर खरवार और चौवना के रामेश्वर खरवार ने आजादी के आंदोलन में हिस्सेदारी की थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था व अंग्रेजों ने ज़ुर्माना भी उनके ऊपर लगाया था। इन आदिवासी नायकों के गांव में उनकी मूर्ति स्थापित करने और स्मारक बनाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को बभनी के जन प्रतिनिधियों ने पूर्व में पत्रक दिया था। परंतु दुखद है कि आज तक आदिवासी

ने इन स्मारकों को बनाने के लिए जमीन आवंटित करने का प्रस्ताव भी पास कर दिया है। इसलिए इस कार्य में कोई भी विधिक बाधा नहीं है और प्रशासन को धनराशि स्वीकृत कर तत्काल निर्माण कराना चाहिए। इसके अलावा घघरा ग्राम पंचायत के निवर्तमान प्रधान और सेक्रेटरी द्वारा की गई लूट को भी सज्ञान में लाते हुए कहा गया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद उनसे गबन के चार लाख रुपये वसूली का जो आदेश जिला प्रशासन ने दिया था उसे भी लागू कर सरकारी धन की तत्काल रिकवरी कराई जाए। प्रतिनिधि मंडल में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर, जिला प्रवक्ता इंद्रदेव खरवार, घोरावल के संयोजक श्रीकांत सिंह, बभनी के संयोजक देव कुमार खरवार शामिल रहे।



नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

पांडे को सभी 72 गांवों में जाकर किसानों से संपर्क करने और बड़े सम्मेलन की रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षा-स्वास्थ्य बदहाल: 26

ऑपरेशन किए जा रहे हैं और पीएचसी-सीएचसी की हालत दयनीय है। आम आदमी पार्टी 'स्कूल ठीक करो' अभियान के जरिए इन नाकामियों को



हजार स्कूल बंद कर शराब के अड़े बनाए, मोमबत्ती में हो रहे ऑपरेशन-उत्तर प्रदेश की बदहाल व्यवस्था पर प्रहार करते हुए सांसद ने कहा कि योगी सरकार ने 'मर्जर' के नाम पर प्रदेश के 26,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए हैं, जिनकी इमारतें आज शराबियों का अड्डा बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी मानती है कि 'शिक्षित होगा भारत', जबकि मोदी-योगी का नारा है- 'अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी अंधभक्त बनेगा इंडिया'। इसी तरह स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बेटीलेटर पर है: अस्पतालों में मोमबत्ती की रोशनी में

लगातार उजागर कर रही है। तानाशाही का नंगा नाच: सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ तारीखें, दिल्ली में बेटीयों और पत्रकारों पर बर्बरता-पत्रकारों के सवालों पर संजय सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से केवल लगाने टिप्पणियां और 'तारीख पे तारीख' मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म 6 को स्वीकृति नहीं दी तो बंगाल चुनाव में उसका उपयोग कैसे हुआ? वहां 27 लाख वोटों की मताधिकार से वंचित किया गया, जिनमें से जांच के बाद 93 फीसदी सही पाए गए। राजधानी दिल्ली के हालात पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस

तेजसा युवती सम्मेलन का आयोजन, महिला सशक्तिकरण एवं राष्ट्र निर्माण में युवतियों की भूमिका पर हुई चर्चा।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को अखिल

महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य



भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं प्रांत के तत्वावधान में मंगलवार को विन्ध्य कन्या पीजी कॉलेज, रॉबर्टसगंज में तेजसी युवती सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में विकासाध्यक्ष विद्यार्थी की राष्ट्रीय संयोजक पायल राय ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में युवतियों की

अतिथि के रूप में कैमूर रेंज की प्रभागीय वनाधिकारी आरुषि मिश्रा उपस्थित रही और छात्राओं को संबोधित किया अंतरराष्ट्रीय कवयित्री डॉ. रचना तिवारी ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका, उनकी रचनात्मक क्षमता और सामाजिक परिवर्तन में उनकी भागीदारी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रेखा प्रजापति ने की, जबकि

डांडिया नाइट 4.0 की तैयारियां शुरू, भूमि पूजन के साथ कार्यक्रम का आगाज, 22 अक्टूबर को होटल सर्वरा में सजेगी डांडिया की शाम, चौथे वर्ष आयोजित होगा भव्य कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला तरुण महिला केशरवानी क्लब की ओर से

गया। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जिला

के गुडों ने बेटीयों के कपड़े फाड़े और दिल्ली पुलिस ने पत्रकारों (श्याम मीरा सिंह, प्रज्ञा मिश्रा, 'द रेड माइक' के सौरभ शुक्ला, बीबीसी और इंडियन एक्सप्रेस के पत्रकारों) को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, जबकि 'महामानव' आंच मुंद कर बैठे हैं। उन्होंने तंज कसा कि मोदी जी अपने दोस्त 'ज्ञानू' (ज्ञानेश कुमार) को बचाने के लिए

1 लाख पुलिस तैनात कर जनता को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वोट का अधिकार छिन गया तो सरकारें पेट्रोल रु500 और गैस सिलेंडर रु5,000 कर देंगी और जनता की कोई सुनवाई नहीं होगी। विपक्ष का कर्तव्य, एमपी में अफसरों की निरंकुशता, यूपीआई टैक्स व 2027 चुनाव पर बोले संजय सिंह:- संजय सिंह ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं में हो रही धांधली पर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है और आम आदमी पार्टी सड़क से संसद तक लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान द्वारा अधिकारियों के निरंकुश होने और गरीबों पर बुलडोजर चलने के बयान पर उन्होंने कहा कि मोहन यादव सरकार को इस पर सज्ञान लेकर जवाब देना चाहिए।

यूपीआई पर प्रस्तावित शुल्क पर उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री का यह दावा छलावा है कि आम जनता पर असर नहीं पड़ेगा; यदि व्यापारी या टैक्सी चालक पर सवाल उठाया तो अंततः महंगाई की मार जनता की जेब पर ही पड़ेगी, सरकार ने फजीहत से बचने के लिए इसे बस दौड़ावली तक टाला है। वहीं यूपी 2027 चुनाव पर उन्होंने स्पष्ट किया कि पांच चरणों की पटयात्राओं के बाद संगठन पूरी तरह तैयार है; अरविंद केजरीवाल जी और पीएस के निर्णय के बाद सीटों और गठबंधन पर आधिकारिक घोषणा की जाएगी।



आयोजित होने वाले डांडिया नाइट 4.0 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 22 अक्टूबर को राबर्टसगंज स्थित होटल सर्वरा में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए बुधवार से भूमि पूजन का शुभारंभ किया

तरुण महिला केशरवानी क्लब की ओर से लगातार चौथे वर्ष डांडिया नाइट का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच पर एकत्रित कर आपसी मेलजोल, सांस्कृतिक परंपराओं

प्रीति केशरी, रूपाली केशरी, राजेश केशरी और आशीष केशरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

स्पोर्ट्स



‘रकिंग’ पीठ पर वजन लेकर चलने-दौड़ने के 10 फायदे, न करें ये गलतियां, बरतें 8 जरूरी सावधानियां

जयपुर। फिट रहने के लिए लोग जिम जाते हैं। वॉकिंग, जॉर्गिंग, रनिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। इन सब अलग-अलग वर्कआउट के बीच आजकल एक नई फिटनेस एक्टिविटी तेजी से पॉपुलर हो रही है, जिसे ‘रकिंग’ कहते हैं। इसमें व्यक्ति अपनी पीठ पर वजन वाला बैग लेकर चलता या दौड़ता है। सेना के जवानों की ट्रेनिंग में लंबे समय से इस्तेमाल होने वाली यह तकनीक अब आम लोगों के बीच भी फिटनेस ट्रेड बन रही है। एक्सपर्ट कहते हैं कि रकिंग से सामान्य वॉकिंग, जॉर्गिंग या रनिंग की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और स्टैमिना बढ़ता है। खास बात यह है कि इसके लिए किसी महंगे उपकरण या जिम की जरूरत नहीं है। इसलिए आज रकिंग पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- क्या रकिंग सभी के लिए सुरक्षित है? रकिंग में कितना वजन लेकर चलना चाहिए? रकिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नितिन बजाज, कंसल्टेंट, फिजियोथेरेपी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल-जवाब के माध्यम से।



के फिटनेस गोल पर निर्भर करता है। इसे ऐसे समझिए- दौड़ना, कांडियो और कैलोरी बर्निंग के लिए इफेक्टिव है, जबकि रकिंग कांडियो के साथ मसल स्ट्रेंथ और स्टैमिना बढ़ाने में भी मददगार है। जिन लोगों को दौड़ने में घुटनों या जोड़ों पर ज्यादा दबाव महसूस होता है, उनके लिए रकिंग एक अच्छा विकल्प हो सकती है। दोनों के अपने-अपने फायदे हैं। सवाल- क्या रकिंग जिम का विकल्प हो सकती है? जवाब- रकिंग फिटनेस बनाए रखने का एक अच्छा तरीका है। लेकिन यह पूरी तरह जिम का विकल्प नहीं है। यह कांडियो और स्ट्रेंथ बढ़ाने में मदद करती है, जबकि मसल्स बनाने और एडवांस स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के लिए जिम की जरूरत पड़ सकती है।

रकिंग से स्टैमिना, मसल स्ट्रेंथ और कैलोरी बर्निंग बढ़ती है।

किसी का बॉडी वेट 70 किलो है तो वह 3.5 से 7 किलो तक का वजन अपनी पीठ पर लाकर रकिंग कर सकता है। शरीर के अभ्यस्त होने पर वजन धीरे-धीरे बढ़ाया जा सकता है। सवाल- रकिंग बैग को उठाने का सही तरीका क्या है? जवाब- रकिंग बैग में वजन को पीठ के ऊपरी हिस्से के करीब और समान रूप से रखना चाहिए। इससे बैलेंस बना रहता है और कमर व कंधों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। बैग की स्ट्रैप्स अच्छी तरह फिट होनी चाहिए, ताकि चलते समय बैग इधर-उधर न हिले। सवाल- रकिंग के दौरान कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग के समय कुछ सामान्य गलतियां चोट और दर्द का कारण बन सकती हैं। बिना वॉर्म अप रकिंग न करें। पोस्चर का खास ख्याल रखें। ढीले बैग का इस्तेमाल न करें। शुरू में

पीठे रहें। वजन और दूरी धीरे-धीरे बढ़ाएं। असहजता होने पर रुक जाएं। सवाल- रकिंग से पहले और बाद में क्या करें? जवाब- रकिंग से पहले शरीर को तैयार करना और बाद में रिकवरी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए दो गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें- पहले-थोड़ा पहले पानी पिएं। 5-10 मिनट वॉर्म अप करें। हल्की स्ट्रेचिंग करें। कूल डाउन वॉक करें। बाद में- बैग, जूतों की फिटिंग देखें। स्ट्रेचिंग करें। थकान होने पर रेस्ट करें। शरीर को हाइड्रेट करें। पौष्टिक डाइट लें। सवाल- किन लोगों को रकिंग नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं होती है। किन्हें किंग नहीं करनी चाहिए? जिन्हें कमर में दर्द है। जिनके घुटनों में दर्द है। जिनके घुटनों में दर्द है। जिन्हें स्लिप डिस्क है। जिनकी हाल में सर्जरी हुई है। जिन्हें हार्ट डिजीज है। गर्भवती महिलाएं। जिन्हें हार्ट डिजीज है। जिन्हें ऑस्टियोआर्थराइटिस है। रकिंग से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब सवाल- क्या ज्यादा रकिंग से कमर से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा वजन उठाने, गलत तरीके से चलने या लंबे समय तक रकिंग से कमर, कंधों और पीठ पर दबाव बढ़ सकता है। इससे प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए- संतुलन बनाए रखें। एक साथ बहुत ज्यादा न करें। शरीर पर उसकी क्षमता से ज्यादा बोझ न डालें। सवाल- क्या रकिंग बच्चों के लिए सही है? जवाब- बच्चों को भारी वजन के साथ रकिंग नहीं करनी चाहिए। सवाल- क्या बुजुर्ग लोग रकिंग कर सकते हैं? जवाब- हां, स्वस्थ बुजुर्ग हल्के वजन और कम दूरी से रकिंग की शुरुआत कर सकते हैं। हालांकि अगर कोई हेल्थ प्रॉब्लम है तो पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करें।

सवाल- क्या रोज रकिंग करना सही है? जवाब- हल्की या मीडियम रकिंग रोज की जा सकती है। लेकिन शरीर को पर्याप्त आराम देना भी जरूरी है। अधिक वजन के साथ रोज रकिंग करने से ओवरयूज इंजरी का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- क्या रकिंग वेट लॉस में मददगार है? जवाब- हां, रकिंग में सामान्य वॉकिंग की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। इससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। इससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है। ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है। स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है। डिहाइड्रेशन से रकिंग के दौरान कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग के समय कुछ सामान्य गलतियां चोट और दर्द का कारण बन सकती हैं। बिना वॉर्म अप रकिंग न करें। पोस्चर का खास ख्याल रखें। ढीले बैग का इस्तेमाल न करें। शुरू में



पोस्चर, बैलेंस बेहतर होता है। ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। स्टैमिना, एंड्यूरेंस बढ़ता है। मेटल हेल्थ बेहतर होती है। कोर स्टेबिलिटी बेहतर होती है। स्ट्रेस, एंगजाइटी कम होती है। सवाल- क्या सामान्य वॉक की तुलना में रकिंग से ज्यादा कैलोरी बर्न होती है? जवाब- हां, रकिंग के दौरान शरीर को अतिरिक्त वजन उठाना पड़ता है। इसलिए सामान्य वॉकिंग की तुलना में इसमें ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है। वजन, चलने की गति और दूरी के आधार पर रकिंग से अधिक कैलोरी बर्न हो सकती है। हालांकि सटीक कैलोरी खर्च

है। लेकिन गलत तकनीक या जरूरत से ज्यादा वजन कमर, घुटनों और कंधों पर अनावश्यक दबाव डाल सकता है। इसलिए सावधानी बरतें और अपनी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखें। सवाल- रकिंग की शुरुआत कैसे करें? जवाब- रकिंग शुरू करने के लिए सबसे पहले एक आरामदायक बैग चुनें और उसमें हल्का वजन रखें। शुरुआत 15-20 मिनट या 1-2 किलोमीटर की वॉक से करें। शरीर के अभ्यस्त होने पर धीरे-धीरे वजन, दूरी और समय बढ़ाएं। सवाल- कितना वजन लेकर चलना सुरक्षित माना जाता है?

ज्यादा वेट न उठाएं। दर्द / थकान इन्होंने न करें। वजन, दूरी अचानक न बढ़ाएं। अनकंफर्टेबल जूतों में न करें। सवाल- रकिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- रकिंग को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए सही वजन, सही तकनीक और शरीर की क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है। रकिंग से पहले वॉर्म अप करें। बैग अच्छी तरह फिट करके पहनें। पीठ सीधी, कंधे संतुलित रखें। आरामदायक स्पोर्ट्स शूज पहनें। हल्के वजन से शुरुआत करें। पर्याप्त पानी

जवाब- हां, रकिंग में सामान्य वॉकिंग की तुलना में ज्यादा कैलोरी खर्च होती है। इसलिए यह वजन घटाने में मदद कर सकती है। लेकिन इसके साथ संतुलित डाइट भी जरूरी है। सवाल- रकिंग के लिए सही जूते और बैग कैसे चुनें? जवाब- इसके लिए ऐसे स्पोर्ट्स या वॉकिंग शूज चुनें, जो पैरों को अच्छा सपोर्ट और वुशनिंग दें। बैग मजबूत, आरामदायक और अच्छी फिटिंग वाला होना चाहिए, जिसमें वजन शरीर के करीब और संतुलित तरीके से रखा जा सके।

भारतीय टी-20 टीम घोषित

दावा- प्रसिद्ध, हर्षित, पंत की फिटनेस से अटका टीम सिलेक्शन, न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे-टेस्ट स्क्वाड जारी होने हैं

स्पोर्ट डेस्क। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और ऋषभ पंत की फिटनेस के कारण न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का सिलेक्शन अटका हुआ है। टीओआई ने दावा किया है कि सिलेक्शन इन प्लेयर्स की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। चयन समिति टीम घोषित करने में आखिरी समय तक इंतजार कर सकती है। दोनों टीमों को 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है। वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। दो टेस्ट की सीरीज

19 नवंबर से खेली जाएगी। बता दें 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम का ऐलान किया जा चुका है। फिटनेस की मंजूरी देने में सतर्क सीओआई-न्यूजीलैंड, बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रिहैब वेड बाद खिलाड़ियों को फिटनेस मंजूरी देने में सीओआई सावधानी बरत रहा है। पंत और प्रसिद्ध की चोट

पहली नजर में गंभीर नहीं लगती। सूत्र ने कहा, ‘सीओआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। इसी वजह से दौरे में खेलाड़ियों को वहां पहुंचने पर तैयारी नहीं की जा रही है। हफ्ते का समय दिया गया।’ तीनों को सिलेक्ट करना चाहते हैं सिलेक्शन- चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट हर्षित राणा को दोनों फॉर्मेट में शामिल करना

चाहते हैं। उन्हें नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने वाले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर सही विकल्प माना जा रहा है। प्रसिद्ध कृष्णा को टेस्ट और ओडीआई, दोनों में तेज गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख सदस्य माना जा रहा है। वहीं, दो टेस्ट की सीरीज में ऋषभ पंत बल्लेबाजी की मुख्य कड़ी होंगे। दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे प्रसिद्ध कृष्णा- प्रसिद्ध कृष्णा को 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा ओडीआई बीच में छोड़ना पड़ा था। उन्हें तीन हफ्ते का समय दिया गया।

मौसम/तापमान में उतार चढ़ाव होता है रिस्की तापमान बढ़ने पर बदलता है व्यवहार, चिड़चिड़ापन, समझें ब्रेन और इमोशन पर हीट का असर

नयी दिल्ली। गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम और गुस्सा और चिड़चिड़ापन, एंगजाइटी, डिप्रेशन, बेचैनी, घबराहट, मूड स्विंग्स, थकान, फोकस में कमी और सुस्ती। सवाल- क्या ये साइकोलॉजिकल प्रब्लम हैं कि हीट वेव के दौरान स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय मेटल स्ट्रेस और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। ज्यादा गर्मी से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम लगातार एक्टिव रहता है, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है। रात में भी टेम्परेचर ज्यादा रहने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, जो मूड को प्रभावित करती है। सवाल- हाई-टेम्परेचर के कारण डिहाइड्रेशन होने पर मेटल हेल्थ पर क्या असर होता है? जवाब- डिहाइड्रेशन से ब्रेन सेल्स तक ब्लड और ऑक्सीजन सफाई प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी

है? जवाब- गर्मी का असर ब्रेन और इमोशन पर भी पड़ता है। इससे डिहाइड्रेशन, नींद की कमी और हार्मोनल बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कौन-सी मेटल हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं, स्ट्रेस लेवल बढ़ना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, एंगजाइटी, डिप्रेशन, बेचैनी, घबराहट, मूड स्विंग्स, थकान, फोकस में कमी और सुस्ती। सवाल- क्या ये साइकोलॉजिकल प्रब्लम हैं कि हीट वेव के दौरान स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय मेटल स्ट्रेस और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। ज्यादा गर्मी से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम लगातार एक्टिव रहता है, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है। रात में भी टेम्परेचर ज्यादा रहने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, जो मूड को प्रभावित करती है। सवाल- हाई-टेम्परेचर के कारण डिहाइड्रेशन होने पर मेटल हेल्थ पर क्या असर होता है? जवाब- डिहाइड्रेशन से ब्रेन सेल्स तक ब्लड और ऑक्सीजन सफाई प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी

थकान और अन्य मेटल हेल्थ प्रॉब्लम का रिस्क ज्यादा हो सकता है। सवाल- अगर किसी को एंगजाइटी, डिप्रेशन या स्लीप डिसऑर्डर है तो क्या गर्मियों में स्थिति और बिगड़ सकती है? जवाब- हां, गर्मी ज्यादा होने पर ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पॉइंटर्स में समझिए- पसीने के साथ इलेक्ट्रोलाइट लॉस होने से ब्रेन फंक्शन और मूड कंट्रोल प्रभावित हो सकता है। तेज रोशनी और दिन लंबे होने से सर्कैडियन रिथम बिगड़ सकती है, जिससे स्लीप क्वालिटी खराब होती है। डिहाइड्रेशन के कारण कंसंट्रेशन और एंगजाइटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ज्यादा थकान और लो एनर्जी डिप्रेशन के लक्षणों को ट्रिगर कर सकती है। सवाल- गर्मियों में कौन-सी हैंडिट्स दिमाग और मूड पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- गर्मियों में ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से ब्रेन पर स्ट्रेस हार्मोन बढ़ सकता है। हाई कैफीन या शुगरी ड्रिंक लेने से मूड स्विंग्स और हार्ट रेट बढ़ सकती है। देर रात तक स्क्रॉल यूज करने से मेलाटोनिन रिजली कम होता है और स्लीप साइकल बिगड़ती है। अनियमित बोजन या जंक फूड से ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन होता है, जो

फूड्स शामिल करें। दिन में छोटे-छोटे शाक लें और रिलैक्सेशन टेक्नीक (जैसे डीप ब्रीदिंग) अपनाएं। सनलाइट एक्सपोजर सीमित रखें। डेली रूटीन नियमित बनाए रखें। सवाल- मूड और ब्रेन हेल्थ के लिए गर्मियों में कौन-सी डाइट होनी चाहिए? जवाब- ऐसी डाइट लें, जो शरीर को हाइड्रेट, हल्की और न्यूट्रिएंट-डेंस रखे, ताकि ब्रेन को लगातार ग्लूकोज और माइक्रोन्यूट्रिएंट मिलते रहें। सवाल- जो लोग आउटडोर काम करते हैं या ज्यादा गर्मी में रहते हैं, उन्हें मेटल वेल्डिंग के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- काम के दौरान हर 30-40 मिनट में शैड या ठंडी जगह पर छोटा ब्रेक लें, ताकि ब्रेन ओवरहीटिंग से बच सके। ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनें, जिससे शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और थकान कम होती है। काम की टाइमिंग संभव हो तो सुबह या देर शाम रखें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक या नींबू पानी लेने से नर्व और मसल फंक्शन बेहतर रहता है। सीधे सनलाइट एक्सपोजर से बचें। काम के बाद रिलैक्सेशन एक्टिविटी (म्यूजिक, मेडिटेशन) करें। सवाल- अगर तेज गर्मी में



गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन से रकिंग के दौरान कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग के समय कुछ सामान्य गलतियां चोट और दर्द का कारण बन सकती हैं। बिना वॉर्म अप रकिंग न करें। पोस्चर का खास ख्याल रखें। ढीले बैग का इस्तेमाल न करें। शुरू में

महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण लो एनर्जी और मानसिक सुस्ती बढ़ सकती है। इमोशनल कंट्रोल कमजोर हो सकता है, जिससे गुस्सा या उदासी जल्दी आती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से कन्स्यूजन और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है। सवाल- कौन-से मानसिक और बिहेवियल लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या ये गर्मियों में ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- मानसिक और व्यवहार से जुड़े कुछ बदलाव ऐसे होते हैं, जो बताते हैं कि ब्रेन और इमोशन पर दबाव बढ़ रहा है। हीट स्ट्रेस से ये लक्षण ज्यादा स्पष्ट और गंभीर हो सकते हैं। कुछ लोगों में इस मौसम में एंगजाइटी, मूड स्विंग्स,

इमोशनल स्टेबिलिटी को प्रभावित करता है। एसी और बाहर की गर्मी के बीच बार-बार एक्सपोजर से शरीर पर एडजस्टमेंट स्ट्रेस बढ़ता है। पानी कम पीने से भी मेटल और फिजिकल परफॉर्मेंस घट सकती है। सवाल- गर्मियों में ‘मेटल बैलेंस’ के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव पॉइंटर्स में समझिए- सुबह या शाम के ठंडे समय में हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें। पूरे दिन में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। स्लीप हाइजीन सुधारें, कमरे का टेम्परेचर कम रखें और लाइट कम रखें। डाइट में ताजे फल, सलाद और ओमेगा-3 से भरपूर

घबराहट, बेचैनी या पैनिंग जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत ब्रेन को ठंडा करने का प्रयास करें। जवाब- तुरंत ठंडी या हवादार जगह पर बैठें या लेंटे ताकि शरीर का टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो सके। धीरे-धीरे गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम शांत होता है और पैनिंग कम होता है। ठंडा पानी या ओआरएस के छोटे-छोटे घूंट लें, इससे ब्रेन को ब्लड फ्लो सपोर्ट मिलता है। चेहरे, गर्दन या कलाई पर ठंडा पानी डालने से कूलिंग रिस्पॉन्स जल्दी शुरू होता है। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले करें और शरीर को रिलैक्स रखें। ये लक्षण लगातार बने रहें, चक्कर या उल्टी आए तो मेडिकल हेल्प जरूर लें।

मस्क को हमारे स्पेस नेटवर्क व इंटरनेट में क्यों दिलचस्पी है?

मालूम होता है कि दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति इलॉन मस्क के लिए मुनाफा ही सर्वोपरि है। वे सोशल मीडिया से प्रोफांडा फ़ैलाने के साथ ही चुनावी चंदों

एयरटेल के वन-वेब को अप्रैल 2022, जियो को दिसम्बर 2022 में, जबकि स्टारलैंक को जून 2025 में अर्थोराइजेशन मिला था। लेकिन सुरक्षा क्लीयरेंस के

गैर-कानूनी हैं, लेकिन मस्क इंकें की चोट पर लॉबीइंग करते हैं। ट्रम्प और रिपब्लिकन पार्टी को 60 करोड़ डॉलर से ज्यादा चुनावी चंदा देने वाले मस्क ने टैक्स



से सरकारी नीतियों को भी बदलने में माहिर हैं। सैटेलाइट से इंटरनेट देने वाले स्टारलैंक प्रोजेक्ट का लाइसेंस हासिल करने के लिए मस्क ने मोदी और अम्बानी पर तंज कसा। भारत में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड-लाइन इंटरनेट बाजार में 80फीसदी अधिकार है। इससे जुड़े 6 पहलुओं को समझें : 1. लोकडाउन करोड़ों लोगों के लिए आपदा, गरीबी और बेरोजगारी का दौर था। लेकिन उसी दरमियान मस्क की सम्पति 10 गुना बढ़ी। 2020 के कोविड-वर्ष में ही भारत में अंतरिक्ष सेक्टर में खुली 5अर्थव्यवस्था और निजीकरण की शुरुआत हुई। सरकार और कानून को हल्के में लेते हुए मस्क की कम्पनी ने गैरकानूनी तरीके से 2021 में लाइसेंस के बिना ही भारत में सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने की कोशिश की थी, जिसे उन्हें बंद करना पड़ा। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2. सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फ़ैसल के अनुसार राष्ट्रीय सम्पदा स्पेक्ट्रम का नीलामी के आधार पर आवंटन होना चाहिए। पर 2023 के दूरसंचार कानून से सैटेलाइट इंटरनेट के लिए नीलामी के बजाय प्रशासनिक आदेश से स्पेक्ट्रम आवंटन का रास्ता साफ हो गया।

किसान और सरकार के संबंधों में एक मौलिक बदलाव आया है

पच्चीस वर्ष का समय पीछे मुड़कर यह देखने और समझने के लिए पर्याप्त होता है कि नरेंद्र मोदी के शासनकाल के- पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में- भारतीय कृषि के लिए क्या मायने हैं। यह यात्रा अक्टूबर 2001 में गुजरात से शुरू हुई थी, जब मोदी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, और मई

वाली ग्रामीण कनेक्टिविटी ने गांवों को बाजारों, बीज-खाद आपूर्तिकर्ताओं, विस्तार सेवाओं और कस्बों से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ा। एक दिलचस्प संस्थागत इनोवेशन ज्ञान को किसान तक पहुंचाने का प्रयास था। कृषि महात्सव और कृषि रथ ने कृषि वैज्ञानिकों, विस्तार अधिकारियों और मिट्टी, पानी,

प्रयासों को नया आयाम दिया। इन सभी पहलों के पीछे का अंतर्निहित सिद्धांत भारत के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। पानी केवल एक कृषि इनपुट नहीं है; वह कृषि विकास का प्रमुख स्रोत है। मोटे अनाजों (मिलेट्स) को प्रोत्साहनों के मोर्चे पर मोदी के प्रयासों को व्यापक समाज का समर्थन भी मिला है, जिसका



2014 में इसने एक राष्ट्रीय कैनवास का रूप ले लिया। गुजरात गाथा तो एक कृषि घमत्कार थी। 2001-02 से 2013-14 के बीच गुजरात की कृषि जीडीपी लगभग 9% प्रति वर्ष की दर से बढ़ी, जो प्रमुख राज्यों में सबसे अधिक थी। यह सफलता किसी एक योजना के दम पर नहीं मिली थी, यह पूरे इकोसिस्टम का परिणाम थी। गुजरात ने खेतों तक पानी पहुंचाने और प्रकृति द्वारा प्रदत्त जल को सहेजने में व्यापक निवेश किया। चेक डैम और खेत-तालाबों ने वर्षा जल संचयन और भूमि पुनर्भरण में मदद की। नर्मदा नहर प्रणाली ने सिंचाई का विस्तार किया, जबकि माइक्रो-इरिगेशन ने किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन लेने में सक्षम बनाया। बिजली भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। ज्योतिषग्राम योजना ने कृषि फीडरों को अलग किया और किसानों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराई। इससे सिंचाई अधिक सुनिश्चित हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार आया। इसके बाद सड़कों की बारी आई। हर मौसम में चालू रहने

तकनीक तथा उमत् प्रथाओं से जुड़ी जानकारी को सीधे गांवों तक पहुंचाया। इसका मूल विचार यह था कि किसानों को ज्ञान के लिए संस्थानों तक जाने के बजाय कृषि-ज्ञान स्वयं किसानों तक पहुंचाना चाहिए। पानी, बिजली, सड़क, तकनीक, कृषि-विस्तार और बाजार- जब ये सभी तत्व साथ आए तो किसानों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कृषि विकास का इंजन बन गई। मोदी पीएम बने, तो यह कैनवास के राज्य से बढ़कर पूरे देश तक फैल गया। गुजरात के अनुभवों को राष्ट्रीय कार्यक्रमों में ढाला गया। जल प्रबंधन पर ध्यान दिया गया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने वैज्ञानिक मिट्टी परीक्षण और सटीक पोषक तत्व प्रबंधन को मुख्यधारा में ला दिया। सिंचाई को अधिक एकीकृत दृष्टिकोण मिला, जिसमें वाटरशेड विकास, सूक्ष्म सिंचाई और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' पर अधिक बल दिया गया। अमृत सरोवर पहल ने जल संपत्तियों के निर्माण व कायाकल्प के

प्रमाण मिलेट्स की बढ़ती लोकप्रियता है। पीएम-किसान ने किसानों के हाथों में सीधी आय पहुंचाई। जून 2026 तक, 23 किश्तों के जरिए 4.46 लाख करोड़ से अधिक की राशि स्थानांतरित की जा चुकी है। इसका महत्व सरकार और किसान के बीच प्रत्यक्ष, डिजिटल और पारदर्शी वित्तीय माध्यम स्थापित करने में है, जिसने बिचौलियों के प्रभाव को समाप्त कर दिया। सहकारिता क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इसका अलग मंत्रालय बनाया गया।

गुजरात के अनुभव को देखते हुए यह स्वाभाविक भी है, जहां सहकारिता का इकोसिस्टम मौजूद है। मोदी के 25 वर्षों के कार्यों पर दृष्टि डालें, तो कृषि विकास की एक गहरी अवधारणा स्पष्ट दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में कृषि को जमीनी स्तर से समझा और राष्ट्रीय स्तर पर पिछले बारह वर्षों में उन विचारों में से कई को बड़े पैमाने पर लागू किया है। साथ ही कई नई और दूरदर्शी नीतिगत दिशाएं भी सामने आई हैं। (ये लेखक वेगें अपने विचार हैं,अशोक गुलाटी)

अभिमत

85 की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के क्या मायने होते हैं?

क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है कि नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होते ही तमाम तरह की सकारात्मकता हमें और हमारे आसपास के वातावरण को घेर लेती है? मुझे तो ऐसा ही लगता है। और भला



क्यों न हो! एक तो तमाम विषय मानो फिर से हमारे जेहन में अपनी गम्भीरता लिए उतर पड़ते हैं, चाहे वह भौतिकी, रसायनशास्त्र, चिकित्सा हो या अर्थशास्त्र। उधर बेसुध होती रीलबद्ध दुनिया को साहित्य के पुरस्कार की जब प्रतिध्वनि आती है, तो उसका ध्यान दृढ़ता है और उसे यकीन होता है कि मनुष्य बिना किसी डिजिटल संगत के भी मानवीय संवेदना को महसूस कर सकता है। खैर, आज चर्चा शांति के पुरस्कार की। जी हां, शांति का पुरस्कार, क्योंकि कोई नहीं बचा- न व्यक्ति, न नेतृत्व और न कोई संस्था- जो वैश्विक स्तर पर शांति की आवाज उन तमाम इ़ानों, मिसाइलों और भेद बढ़ाते ह्रदयों तक पहुंचा सके। लेकिन नोबेल तो नोबेल ठहरा। उसे न बढ़ती उम्र दिखी और न जाति, न धर्म, न रंग, न जेंडर और न ही किसी देश की सामरिक और आर्थिक शक्ति। उसने तो इस साल उस भारतीय महिला मूल की दक्षिण अफ्रीकी महिला को शांति के पुरस्कार के लिए चुना, जो 85 वर्ष की हैं। आप खुद ही अंदाजा लगाइए कि हमारे देश में 85 वर्ष के होने का क्या मतलब होता है? और हमारे आसपास के लोग उस व्यक्ति को इस उम्र के पायदान पर क्या अहसास कराते हैं? लेकिन वे तो नवी पिल्लई हैं, जो रंगभेद-विरोधी कैंदियों का बचाव करने से लेकर दुनिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अदालतों और मानवाधिकार संस्थाओं में काम करती रही हैं। न उम्र, न रंग, न आर्थिक तंगी को उन्होंने रास्ते की बाधा बनाने दिया और न उनको पहचानने में नोबेल समिति को कोई रुक पाया। 1941 में डरबन के क्लेयरवुड में एक गरीब तमिल परिवार में जन्मी नवी

पिल्लई रंगभेद के माहौल में पली-बढ़ीं। हार्वर्ड से कानून में डॉक्टरेट की डिग्री ली और वे ऐसा करने वाली पहली दक्षिण अफ्रीकी थीं। पर कोई भी लॉ फर्म उन्हें नौकरी पर नहीं रखना चाहती थी, क्योंकि गोरी सेक्रेटरी किसी गैर-



गोरी महिला से निर्देश नहीं लेना चाहती थीं। फिर उन्होंने खुद की प्रैक्टिस शुरू की और नटाल में ऐसा करने वाली वे पहली गैर-गोरी महिला थीं।उन्होंने रंगभेद-विरोधी कार्यकर्ताओं का बचाव किया, नजरबंद लोगों के साथ होने वाली यातना और अकेले कैंद रखने की घटनाओं को उजागर किया। एक अहम केस जीता, जिससे रॉबेन आइलैंड पर मौजूद राजनीतिक कैंदियों-जिनमें नेल्सन मंडेला भी थे- को कानून की किताबों तक पहुंच मिली। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने जोर दिया कि बढ़ते युद्धों और ‘सही के बजाय ताकत’ की ओर बढ़ते झुकाव के बीच यह पुरस्कार इस बात को मान्यता देता है कि स्थायी शांति कानूनी सिद्धांतों और जवाबदेही पर टिकी होती है, न कि केवल ताकत पर। नवी पिल्लई का भारत से गहरा नाता है। उनके पिता के परिवार की जड़ें तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के वथलागुड में थीं। उनके दादा-दादी 1890 के दशक में मद्रास प्रेसीडेंसी से नटाल में ग्ने के बागानों में काम करने के लिए अनुबंधित मजदूरों के तौर पर गए और उनके दादा के पैर भी इसी जहाजहद में कट गए। उनके पिता बस ड्राइवर थे, लेकिन उन्होंने बेटी के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा पर भी जोर दिया। पिता की मौत के बाद उन्होंने तमिलनाडु में अपने बचे हुए रिश्तेदारों को ढूंढा। और साथ-साथ, घृणा और युद्ध में गुम हो गई उस शांति को भी, जिसकी इस दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत है। हर वो नेतृत्व जो शांति की वकालत करता है, वह नवी पिल्लई की संगत में नोबेल पुरस्कार की आभा को महसूस कर सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदिताेश निलय)

बिहार के विकास के बिना पूरा नहीं होगा विकसित भारत का सपना

भारत जब वर्ष 2047 तक ‘विकसित भारत’ का संकल्प लेकर बढ़ रहा है तो यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार की इसमें क्या भूमिका होगी। भारत की जीडीपी में शीर्ष



राज्यों का योगदान सराहनीय हो सकता है, लेकिन जब तक देश का पूरी ह्रदयस्थल अपनी पूर्ण क्षमता से आर्थिक उत्पादन, नवाचार और औद्योगिक पुनर्जागरण का केंद्र नहीं बनेगा, विकसित भारत का सपना परिणतित तक नहीं पहुंच सकता। बिहार का आर्थिक यथार्थ निराशा के पुराने विमर्श से बाहर निकल चुका है। 2024-25 में राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर स्थिर मूल्यों पर 8.6फीसदी और वर्तमान मूल्यों पर 13.1फीसदी दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (2023) के अनुसार राज्य की बहुआयामी गरीबी 51.89फीसदी (2015-16) से घटकर 33.76फीसदी पर आ गई है, जो गरीबी उन्मूलन की सबसे तेज गति है। बिहार का पिछड़ापन कोई अपरिहार्य स्थिति नहीं, बल्कि विशिष्ट ऐतिहासिक, नीतिगत और संरचनात्मक आघातों का परिणाम रहा है। मगध और वैशाली ने भारत को प्रथम साम्राज्य, लोकतांत्रिक गणराज्य और चाणक्य का अर्थशास्त्र दिया। नालंदा और विक्रमशिला ज्ञान के वैश्विक केंद्र थे। किन्तु 12वीं-13वीं सदी में इन ज्ञान-केंद्रों पर बर्बर आघात हुए और

औपनिवेशिक काल में 1793 के ‘स्थायी बंदोबस्त’ (जमींदारी व्यवस्था) ने कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समाज को बंधुआ बना दिया। गिरमिटिया प्रथा के तहत लाखों श्रमिकों का पलायन हुआ। 1952 की माल भाड़ा समानीकरण नीति’ ने पूर्वी भारत के खनिजों को पूरे देश में समान लागत पर उपलब्ध कराकर बिहार का औद्योगिक लाभ समाप्त कर दिया। अंततः राज्य विभाजन के बाद समस्त खनिज संपदा और भारी उद्योग झारखंड चले गए। आज राज्य की 50फीसदी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। प्रशासनिक सेवा समेत विविध क्षेत्रों में बिहार की मेधा दमक रही है। इस ब्रेन ड्रेन को रिवर्स ब्रेन गेन’ में बदलने के लिए स्थानीय परिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है। गंगा पर राष्ट्रीय जलमार्ग-1 बिहार को सीधे वैश्विक समुद्री व्यापार से जोड़ता है। राज्य में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक राज्य को दक्षिण-पूर्व एशिया का व्यापारिक प्रवेश द्वार बना सकते हैं। मखाना, शाही लीची, मक्का और केला के लिए मेगा फूड पार्क किसानों की आय बढ़ा सकते हैं। बाँझ रामायण, जैन और सिख पर्यटन सर्किट विदेशी मुद्रा अर्जन के बड़े स्रोत बन सकते हैं। इस स्मरण के उ लिए चरणबद्ध राष्ट्रीय कार्ययोजना आवश्यक है। 2026-2030 के पहले चरण में बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और संस्थागत वित्तपोषण करना होगा। 2031-2040 तक में विनिर्माण, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उद्योगों पर ध्यान देना होगा। 2041-2047 के अंतिम चरण में ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, नवाचारों के जरिए प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय औसत के समकक्ष लाना होगा।

आजीविका जीवन बनाए रखने वाली हो, जीवन को खतरे में डालने वाली नहीं

पिछले शुक्रवार की शाम पुणे के पिंपरी सौदागर निवासी 43 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट मनोज मालपानी ने खुद को एक असामान्य और संभावित तौर

बेस्ड ड्राइवरों की कामकाजी परिस्थितियों पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। इंडियन गिग वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष केशव क्षीरसागर बताते हैं कि ड्राइवरों के काम के

शरीर वह चीज मांगने लगता है, जिसकी इजाजत जैब नहीं देती-आराम। आराम की कमी से कोई सिक्योरिटी गार्ड कम चौकजा, कोई ड्राइवर कम रेस्पॉन्सिव हो



पर खतरनाक स्थिति में पाया। वे मुंबई एयरपोर्ट से पुणे तक एक कैब में जा रहे थे। उन्होंने देखा कि ड्राइवर बार-बार जम्हाई ले रहा था और जागे रहने के लिए संघर्ष कर रहा था। कम से कम दो बार तो लगा कि ड्राइवर स्टियरिंग पर ही झपकी ले रहा है। मालपानी डर गए। वे मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर थे, जहां पलभर की लापरवाही जानलेवा हो सकती है। रात करीब 8.30 बजे जब कैब एक फूड मॉल पर रुकी तो मालपानी ने ड्राइवर से इस बारे में पूछा। ड्राइवर ने माना कि लगातार झट्टी करने से वह थक चुका था और उसे नींद आ रही थी। मालपानी ने ड्राइवर को आराम करने के लिए कहा और खुद गाड़ी चलाने की पेशकश की।ड्राइवर तुरंत तैयार हो गया। उसने अपनी सीट पीछे की और सो गया। मालपानी ने पहले टोल प्लाजा तक गाड़ी चलाई। वहां भी ड्राइवर को उनींदा देखकर उन्होंने लगातार पुणे तक गाड़ी चलाई और रात करीब 10.30 बजे मंजिल पर पहुंचे। उन्होंने ड्राइवर को जगाकर गाड़ी सौंपी और किराया चुकाया। उन्होंने माना कि उन्हें किसी दूसरे की कबह नहीं चलानी चाहिए थी, लेकिन उन्हें जान की परवाह थी तो ऐसा किया। इसके बाद उस कैब एсп्रीगेटर ने उस ड्राइवर का अपने एप तक एक्सेस खत्म कर दिया और मालपानी को किराए की रकम क्रेडिट के रूप में रिफंड कर दी। लेकिन यह घटना एप-

घंटे तय नहीं हैं और कम आय के कारण उन पर लगातार काम करने का दबाव रहता है। इस घटना ने मुझे मुंबई की मिडिल-इनकम हाउसिंग सोसायटियों के एक आम नजारे की याद दिला दी- गेट पर चौकीदार गहरी नींद में सो रहा होता है और कोई नाराज निवासी उसे जगाता है। दोनों स्थितियां अलग लग सकती हैं, लेकिन इनमें एक बात समान है। दोनों ही मामलों में ऐसे वर्कर्स हैं, जिनसे सतर्क रहने की उम्मीद की जाती है, लेकिन उनकी कमाई शायद ही इतनी होती है कि रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर पाएं। रेजिडेंशियल सोसायटियों में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के जरिए नियुक्त सिक्योरिटी गार्डों को ही देखिए। इनमें से कई को 30 दिनों की शिफ्ट के बदले 10 हजार रुपए से भी कम मिलते हैं। इतनी कम कमाई में परिवार चलाना मुश्किल है, खासकर मुंबई जैसे महंगे शहर में। किराया, खाना, स्कूल फीस, दवाइयां और आने-जाने का खर्च वेतन के दिन का इंतजार नहीं करते। इसलिए कुछ गाई दूसरी शिफ्ट भी कर लेते हैं, ताकि महीने में करीब 20 हजार रुपए कमा सकें। वे दिन में 18 से 20 घंटे काम करने लगते हैं। ऐसे में आने-जाने, खाना खाने और ठीक से सोने के लिए बहुत कम समय बचता है। नींद की कमी से कॉन्सन्ट्रेशन, जगमैट, रिएक्शन टाइम और इमोशनल कंट्रोल प्रभावित होते हैं। अंततः

सकता है और किसी डिलीवरी वर्कर के गलती करने की आशंका बढ़ सकती है। सेप्टी-सेंसेटिव जॉब्स में तो इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। लंबे समय में इसकी एक और कीमत चुकानी पड़ती है। लगातार खान और अपर्याप्त रिकवरी शारीरिक और मानसिक सेहत खराब कर सकती है। एक्सट्रा शिफ्ट के जरिए की गई कमाई की कीमत सेहत से चुकानी पड़ सकती है। आगे चलकर मेडिकल बिलों का खर्च परिवार पर आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। महीने में एक पगार पर जी रहे वर्कर के लिए किसी एक्सट्रा शिफ्ट का मतलब समय पर स्कूल की फीस भर पाना या परिवार का राशन खरीद पाना हो सकता है। सेहत के लिहाज से कोई काम ठुकरा देना समझदारी भरा फैसला हो सकता है, लेकिन सर्वोच्च के लिए ऐसा करना कई बार नामुमकिन होता है।

फंडा यह है कि सर्वाइवल के लिए एक वर्कर कब तक अपनी नींद की कीमत चुकाता रहेगा? देर-सबेर उसकी सेहत जवाब दे ही देगी। समाज के तौर पर जब तक हम इस हकीकत को नहीं समझेंगे और अपने वर्कर्स को एक शिफ्ट के काम से ही बुनियादी जरूरतें पूरी करने लायक वेतन नहीं देंगे, तब तक हमें ऐसी सेवाएं ही मिलती रहेंगी, जो हमारे जीवन और प्रॉपर्टी को गंभीर जोखिम में डाल सकती हैं। एन. रघुरामन

‘म्यूज’ को इस्तेमाल करने से पहले इस पर्सनल असिस्टेंट के बारे में समझ लें

सभी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने एक कला में महारत हासिल कर ली है, जो उनका बिजनेस बन गई है। वे कोई चीज बनाती हैं, फिर आमजन को यकीन दिलाती हैं कि वे इसके बिना रह ही नहीं सकते। इसकी शुरुआत फेसबुक, इंस्टाग्राम और

कि हमारे टेक्स्ट का जवाब देने वाले सामान्य चैटबॉट्स के विपरीत म्यूज एक पर्सनल एआई-एजेंट है, लेकिन ‘एजेंटिक बिहेवियर’ के लिए। यह मल्टी-स्टैप टास्क संभालता है, बैंकग्राउंड में ऑटोमैटिकली काम करता है और हमारी ओर से



हॉट्सएप से हुई थी, सही है ना? बटमसे से ज्यादातर लोग इनके बिना रह नहीं सकते, है ना? क्लास के स्टूडेंट की तरह उंगली उठाकर मत बोलिए कि ‘मैं ऐसा नहीं हूं।’ मैं सहमत हूं कि कुछ लोग इनके आदी नहीं हुए होंगे। इसीलिए मैंने कहा कि ज्यादातर लोग। अब इसका सबसे ताजा उदाहरण मेटा प्लेटफॉर्म का पर्सनल एआई-एजेंट ‘म्यूज’ है। किसी सॉफ्ट टॉय के चबी वर्जन जैसे दिखने वाले म्यूज ने लोगों का ध्यान खींचा है। वरना 8 सितंबर 2026 को यूएस और कनाडा में लॉन्च होने के सिर्फ 22 दिनों में ही इसके 5 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड कैसे हो गए? इस माइलस्टोन ने इसे अब तक के सबसे तेजी से बढ़ते एआई चैटजीपीटी, ग्रीक और कॉलड को भी पीछे छोड़ दिया। मेटा ने भारत में इसके ऑफिशियल लॉन्च की तारीख या टाइमलाइन घोषित नहीं की है।म्यूज के बारे में नहीं जानने वालों को बता दूं

डिजिटल सेवाओं के साथ बातचीत करता है। विशेषज्ञों को लगता है कि म्यूज के साथ आप जो भी जानकारी शेयर करते हैं, तकनीकी तौर पर वह मेटा के साथ शेयर हो सकती है। कंपनी कहती है कि इसका इस्तेमाल आपकों विज्ञापन दिखाने के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। यह कुछ हद तक हमारे द्वारा कॉल सेंटर में की जाने वाली कॉल्स जैसा ही है, जहां ऑटो-अंसर मशीन कहती है कि ‘यह कॉल आंतरिक इस्तेमाल और ट्रेनिंग के लिए रिपोर्ट की जा सकती है।’ आप सेटिंग्स में जाकर ऑप्ट-आउट अकाउंट्स को एक्सेस नहीं करेंगे। मसलन, लॉ-एम्प्लॉयमेंट एजेंसियों की गुजारिश पर या यूजर की ओर से रिपोर्ट की गई समस्या पर। लेकिन विशेषज्ञों का सवाल है कि अगर यूजर का डिवाइस कॉम्प्रोमाइज हो जाए या

खुद इस सर्विस में ही ब्रीच हो जाए तो क्या होगा? आमतौर पर हमारे सोशल मीडिया एप्स, ईमेल, डेली-शॉपिंग लॉगिन और शॉपिंग के पैसे चुकाने में इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउंट, सभी के लॉगिन अलग-अलग होते हैं। प्रथमदृष्ट्या हम उम्मीद करते हैं कि वे सुरक्षित हैं, क्योंकि वे अलग-अलग हैं। लेकिन किसी एक सर्विस को इनमें से किसी एक या सभी लॉगिन तक एक्सेस देकर क्या हम कोई बड़ा जोखिम पैदा नहीं कर रहे? यह ऐसा ही है जैसे ऑफिस में आपका पर्सनल असिस्टेंट न सिर्फ आपका बैंक अकाउंट, बल्कि पैसे ट्रान्सफर करने का पासवर्ड भी जानता हो। उस पर्सनल असिस्टेंट की वफादारी के बावजूद छोटी-सी संभावना बनी रहती है कि शायद उसका दिमाग बदल सकता है। इसी तरह म्यूज में हमारे सभी लॉगिन के लिए ‘सिक्क्योर क्रेडेंशियल स्टोर’ है। मेटा का कहना है कि इसकी मदद से एआई-एजेंट पासवर्ड देखे बिना उनका इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि एआई-एजेंट मुश्किलें भी पैदा कर सकते हैं।

किसी ईमेल या वेबसाइट में ऐसे लिप्ते हुए प्रॉम्प्ट हो सकते हैं, जो बॉट्स को निर्देशों को नजरअंदाज कर निजी डेटा हैकर के अकाउंट्स पर भेजने के लिए कहें। अमेरिकन इकोनॉमिक लिबर्टीज प्रोजेक्ट के सीनियर लीगल काउंसिल ली हेप्नर कहते हैं ‘कम से कम जब तक कोई विश्वसनीय विकल्प नहीं आता, ‘मेटा के टेक रिपोर्ट्स में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो यह भरोसा देता हो कि वे निजी जानकारी के प्रबंधक या कस्टोडियन बनेंगे।’ म्यूज के शुरुआती यूजर्स निजी जानकारी के अप्रत्याशित रूप से लीक होने का जिन्न कर चुके हैं। टेक कमेंटेटर मैट रॉब ने हाल ही में बताया कि म्यूज ने उनके द्वारा बेचने के लिए पोस्ट किए गए एक आइटम की तय कीमत से कम कीमत संभावित खरीदार को बता दी और उसे उनके घर का पता भी दे दिया।

इजराइल हूतियों के खिलाफ क्यों लड़ना चाहता है.अमेरिका के जरिए नेतन्याहू ने मदद का मैसेज भेजा, सऊदी ने किया मना

तेल अवीव/ हूतियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब के आसपास जहाजों पर हमले किए हैं। उन्होंने ईरान के साथ जारी



तनाव के बीच इजराइल को भी निशाना बनाया है। इसलिए इजराइल इस सैन्य अभियान में शामिल होकर हूतियों को कमजोर करना चाहता है। 3. सऊदी के साथ सैन्य तालमेल बढ़ाना:- सऊदी लंबे समय से हूतियों को सुरक्षा चुनौती मानता है। इजराइल सऊदी की मदद कर क्षेत्र की एक बड़ी अरब शक्ति के साथ सैन्य तालमेल भी बढ़ा सकता है। हालांकि, इसके खतरे भी हैं। सऊदी अरब से जुड़े सैन्य अभियानों में इजराइली सेना की भागीदारी पर देश के अंदर और पूरे अरब जगत में विरोध हो सकता है। सऊदी से राजनयिक संबंध बेहतर करना चाहता है इजराइल-ईरान का विरोध करने के बावजूद सऊदी अरब और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। ट्रम्प कई बार सऊदी अरब से इजराइल के साथ दोस्ती करने की अपील कर चुके हैं। इसके लिए अमेरिका ने अब्राहम समझौते का रास्ता भी

सूझाया है। 2020 में इस समझौते के तहत यूएई और बहरीन समेत कई अरब देशों ने इजराइल के साथ अपने संबंध सामान्य किए थे। हालांकि सऊदी अरब का कहना है कि वह इजराइल से रिश्ते तभी ठीक करेगा, जब फिलिस्तीन मुद्दे का सामाधान होगा। 2015 से जारी है सऊदी और हूतियों की लड़ाई:- यमन में हूतियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब ने कई देशों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया। सऊदी अरब चाहता था कि यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार दोबारा सत्ता में आए और हूतियों का कब्जा खत्म हो।

इसके बाद कई साल तक यमन में हवाई हमले होते रहे। लेकिन हूतियों को पूरी तरह पीछे धकेलने में सऊदी गठबंधन कामयाब नहीं हो पाया। हूती अब भी यमन के बड़े हिस्से में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। उनकी लड़ाई का असर अब सऊदी अरब की सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

राहुल प्रोटेस्टर्स को साथ लाए, पुलिस पर आरोप लगाए-छात्रा बोली- प्राइवेट पार्ट पर मारा, छात्र ने कहा- गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को अलग-अलग प्रदर्शनों में शामिल हुए एनएसयूआई से जुड़े स्टूडेंट्स और कंटेंट क्रिएटर



के साथ प्रेस की। इसमें एक छात्रा ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने उसके साथ मारपीट की। प्राइवेट पार्ट पर लात मारी। एक अन्य छात्र ने आरोप लगाया कि पुलिस कुछ गुंडों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी। ये प्रदर्शन एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ब्रजेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किए जा रहे हैं। इंडिया ब्लॉक ने अब तक एसआईआर और ब्रजेश कुमार के इस्तीफे के मुद्दे पर 5 प्रदर्शन किए हैं। राहुल गांधी ने कहा-



देखिए ये हिंदुस्तान है, इसकी कोई जात नहीं है-राहुल गांधी ने कहा- ये हिंदुस्तान है, अमित शाह जी यहां कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं हैं, इनकी कोई जात नहीं है। आप इस आवाज के सामने खड़े नहीं हो सकते। स्टूडेंट्स से कहना चाहता हूं। आप वीडियो बनाकर रखिए। उन सबूतों को हम रखेंगे। जब सब खत्म होगा तो उन सबूतों के आधार पर सबको सजा मिलेगी। चाहे पुलिस वाले हों या ब्रजेश कुमार हों। ये देश की आवाज हैं। और इस आवाजा को दबाने की कोशिश हो रही है। प्रदर्शनकारी अतीरा ने कहा- जहां सीसीटीवी नहीं थे, वहां पर मुक्के मारे-प्रदर्शनकारी अतीरा एक कान से सुन नहीं सकतीं। उन्होंने कहा कि बस में कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं थी। कनॉट प्लेस से महिला पुलिसकर्मी चंचल

कार्यकर्ता थे। बस में चंचल यादव नाम की एक महिला पुलिस कांस्टेबल थी। हिरासत में लिए जाने के बाद हमने गेट से दोबारा बस से बाहर निकलने और प्रदर्शन का नेतृत्व जारी रखने की कोशिश की।

ऋतु ने बताया, 'हमने बस को रोकने की कोशिश की और उसके नीचे बैठ गए, ताकि किसी तरह हमारा प्रदर्शन जारी रह सके। लेकिन चंचल यादव ने मेरी गर्दन कसकर पकड़ ली और मुझे धक्का दिया, जिससे मैं पीछे की ओर सीट पर गिर गई।

इसके बाद उसने अपने नाखूनों से मेरा चेहरा खरोंच दिया। मेरे चेहरे और कान के पास खरोंचे आ गई। जब मैंने बस में विरोध किया, तो उसने मुझे इतनी जोर से थप्पड़ मारा और कहा, 'लो, चेहरे पर एक और थप्पड़।'

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया,भारत ने नाम बदले थे, इनमें गोगरा-हॉट स्प्रिंग जहां 2020 में दोनों देशों की सेनाएं टकराईं

बीजिंग/नई दिल्ली। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद बढ़



गया था। 5 मई को पैंगोंग झील के पास दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।बीजिंग/नई दिल्ली। 2020 के जून में गलवान घाटी में भी दोनों सेनाओं के बीच हिंसक संघर्ष हुआ था। इसके बाद दोनों देशों ने सीमा पर तनाव कम करने और सैनिकों को पीछे हटाने के लिए बातचीत शुरू की। सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया 2022 में शुरू हुई। 28 जगहों में कौन-कौन से नाम शामिल हैं? भारत की ओर से तय किए गए 28 नामों में पहाड़, दर्रे, ग्लेशियर, जमीन के हिस्से, घाटियां और जल स्रोत शामिल हैं। पहाड़-चोटियां: अतीशा गिरि, कनीष्क पीक, करुण पीर पर्वत,

कांगरी, शिवरी, जोरावर पीक और माहे श्वररी। दर्रे -ग्लेशियर: चापचिगल दर्रा, शाचमिरिक दर्रा, पारपिक ग्लेशियर और स्कामरी ग्लेशियर। जमीन के इलाके: ब्रांगसा, कुकसेल, देहरा कम्पास, गोगरा, कुमारायण पॉइंट, पंगलुंग और शमाल लुंगपा। घाटी-जल स्रोत: श्कोर्गा घाटी, गुरु रिनपोछे झील, यांगपा नदी और हॉट स्प्रिंग इन जगहों के नाम तय करके सरकारी नक्शों में शामिल करने का मकसद उनकी सही पहचान बताना है। गलवान में भारत और चीन के बीच हिंसक झड़प हुई थी: जून 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच सीमा विवाद को लेकर

ममता बनर्जी पर चाकू से हमले की कोशिश,हमलावर नशे में थी,खुद को पूर्व सीएम की भतीजी बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी



पर उनके घर के पास मंगलवार शाम एक महिला ने चाकू से हमला करने की कोशिश की। घटना शाम करीब 6 बजे की है, जब ममता अपने कालीघाट स्थित आवास के पास दुर्गा सेन बोली- महिला ने खुद को ममता की भतीजी बताया:- एफआईआर में डोला सेन ने बताया कि आरोपी महिला ने खुद को ममता बनर्जी की भतीजी बताकर उनके पास पहुंचे की कोशिश की थी। इसके बाद उसने सड़क पर लेटकर हंगामा किया। टीएमसी ने घटना के पीछे साजिश की आशंका भी जताई है। पुलिस

है। सेन ने आरोप लगाया कि महिला नशे की हालत में गाली-गलौज कर रही थी और चाकू लेकर ममता की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। डोला सेन बोली- महिला ने खुद को ममता की भतीजी बताया:- एफआईआर में डोला सेन ने बताया कि आरोपी महिला ने खुद को ममता बनर्जी की भतीजी बताकर उनके पास पहुंचे की कोशिश की थी। इसके बाद उसने सड़क पर लेटकर हंगामा किया। टीएमसी ने घटना के पीछे साजिश की आशंका भी जताई है। पुलिस

थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ऊंचाई पर,खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर

नयी दिल्ली। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने आज, 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92फीसदी थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82फीसदी थी। थोक महंगाई दर 11.39फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में रु100 का मिल रहा था, वह आज लगभग रु111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को डब्ल्यूपीआई का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है। थोक महंगाई दर से जुड़ी 6 बड़ी बातें:- कुल थोक महंगाई में बड़ी बढ़त: सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39फीसदी पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92फीसदी दर्ज की गई थी। खाने-पीने की चीजों में तेजी: खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05फीसदी के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66फीसदी



दर्ज हुई। ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछाल: फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93फीसदी से तेजी से बढ़कर 25.85फीसदी पर पहुंच गई। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी: प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76फीसदी से बढ़कर सितंबर में 8.67फीसदी हो गई। कारखानों के निर्मित सामान महंगे: मैन्युफैक्चर्ड प्रॉडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37फीसदी से बढ़कर 9.76फीसदी हो गई। महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख सेक्टर: पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की वस्तुएं, कूड ऑयल, गैस, कोयला और टेक्स्टाइल में सबसे ज्यादा तेजी रही। बेस ईयर और सबसे बड़ी बढ़त का मतलब:-1. बेस ईयर क्या होता है? जब भी सरकार महंगाई नापती है, तो वह किसी एक पुराने साल को 'पैमाना' मान लेती है, ताकि उससे तुलना करके पता चल सके कि आज चीजें कितनी महंगी हुई हैं। सरकार ने 2022-23 को नया पैमाना यानी

हिंसक झड़प हुई थी। भारत के मुताबिक, 6 जून को दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमति बनी थी, लेकिन 15 जून की रात फिर टकराव हो गया। इस दौरान सैनिकों के बीच पत्थरों और डंडों से लड़ाई हुई। झड़प में भारत के 20 सैनिकों की मौत हुई थी। चीन ने फरवरी 2021 में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात स्वीकार की थी। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया और सीमा पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी गई। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भी दोनों देशों के बीच विवाद:- भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद है। चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर अपना दावा करता है और इसे 'जांगनान' यानी दक्षिणी तिब्बत कहता है।इसी दावे के तहत चीन 2017 से कई बार अरुणाचल प्रदेश की जगहों के चीनी नाम जारी कर चुका है। 2023 में चीन ने 11 और 2024 में करीब 30 जगहों के नाम जारी किए थे। भारत हर बार इसका विरोध करता रहा है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश उसका अभिन्न हिस्सा है और चीन के नाम बदलने से जमीन पर स्थिति नहीं बदल सकती। भारत की नजर में यह सिर्फ नामों का मामला नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र पर चीन के दावे से जुड़ा विवाद है।

बोली- महिला से पूछताछ जारी, वीडियो की जांच होगी:-पीटीआई के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि महिला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जाएगी। ममता बनर्जी को जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। यह भारत में दी जाने वाली उच्चतम सुरक्षा श्रेणियों में से एक है। यह सुरक्षा आमतौर पर उन लोगों को दी जाती है, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों के आकलन के मुताबिक गंभीर खतरा हो सकता है। जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था में आम तौर पर करीब 50 से 55 सुरक्षाकर्मियों की टीम होती है। इसमें करीबी सुरक्षाकर्मी, आवास की सुरक्षा में तैनात जवान और आवाजाही के दौरान सुरक्षा देने वाले कर्मी शामिल हो सकते हैं। ये जवान अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं, ताकि सुरक्षा व्यवस्था चौबीसों घंटे बनी रहे। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों की वास्तविक संख्या संबंधित व्यक्ति के खतरे के आकलन और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक अलग-अलग हो सकती है।

बेस ईयर बनाया है। इसका मतलब है कि आज के सामानों की कीमतों की तुलना 2022-23 के दामों से की जा रही है। 2. पांचवीं सबसे बड़ी बढ़त का क्या मतलब है? जब से सरकार ने 2022-23 का यह नया पैमाना लागू किया है, तब से लेकर सितंबर 2026 तक महंगाई दर में यह पहला मौका है, जब थोक कीमतें इतनी तेजी से बढ़ी हैं। आसान शब्दों में कहें तो, नए नियमों और नए पैमाने के तहत देश में यह अब तक की पांचवीं सबसे ज्यादा महंगाई दर्ज की गई है। थोक महंगाई का आम आदमी पर असर:-थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडिक्ट्स सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज छूटी कटौती की थी।

हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा पता चेतन मेटल, केमिकल, लॉस्टिक, रबर जैसे फॅब्री से जुड़े सामानों का होता है।

पोप लियो को लंग कैंसर,ट्यूमर की सर्जरी के दौरान पता चला, पिछले साल मई में सर्वोच्च धर्मगुरु चुने गए थे

रोम।उन्हें दुनिया भर के कैथोलिक ईसाइयों का आध्यात्मिक नेता माना जाता है।



जिस तरह हिंदू धर्म में शंकराचार्य जैसे बड़े धार्मिक गुरु होते हैं, उसी तरह कैथोलिक ईसाई धर्म में पोप का बहुत अहम स्थान है। हालांकि, दोनों की भूमिका और अधिकार अलग-अलग हैं। पोप वेटिकन सिटी में रहते हैं। यह इटली की राजधानी रोम के अंदर बसा दुनिया का सबसे छोटा देश है। पोप कैथोलिक चर्च के प्रमुख होते हैं और दुनिया भर के चर्चों, पादरियों और बिशपों का मार्गदर्शन करते हैं। वे धार्मिक नियमों, ईसाई

शिक्षाओं और नैतिक मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं। वे युद्ध, गरीबी और शांति जैसे वैश्विक

मुद्दों पर भी लोगों से अपील करते हैं। गुप्त मतदान से चुने जाते हैं पोप:- जब किसी पोप की मृत्यु हो जाती है या वे अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं, तब नए पोप को चुनने की प्रक्रिया शुरू होती है। इसके लिए 80 साल से कम उम्र के धर्मगुरु वेटिकन में इकट्ठा होते हैं और गुप्त मतदान करते हैं। इस प्रक्रिया को कॅन्क्लेव कहते हैं। दो-तिहाई वोट मिलने पर नए पोप का चुनाव होता है। चुनाव की खबर वेटिकन की सिस्टीन चैपल की चिमनी से

इजराइल पहुंची अमेरिकी फ्लाइट को बम की धमकी,कल इंडोनेशियाई पायलट के कारण विमान लौटाया फ्लाईदुबई हादसे के बाद 11 देशों के पायलटों पर रोक

तेल अवीव। हमले के बाद इजराइल ने फ्लाईदुबई को पत्र भेजा था:- इजराइली न्यूज चैनल



12 के मुताबिक, फ्लाईदुबई हमले के अगले दिन इजराइल के परिवहन मंत्रालय ने एयरलाइंस को एक पत्र भेजा था। इसमें कहा गया था कि विमान संचालक दुश्मन देशों के नागरिकों को इजराइल जाने वाली उड़ानों में पायलट, क्रू मंबर या यात्री के तौर पर सफर करने की अनुमति न दें। पत्र में कहा गया था कि मंत्रालय समय-समय पर जांच करेगा कि एयरलाइंस सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए जरूरी योजनाओं, उपायों और प्रक्रियाओं को लागू कर रही हैं या नहीं। इसके लिए मंत्रालय मौके पर जाकर भी जांच करेगा। दोहरी नागरिकता वाले क्रू मेंबर्स पर भी लागू नियम:-पत्र

में विमान संचालकों को यह भी कहा गया था कि इजराइल के फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन में आने

निकलने वाले सफेद धुएं के जरिए दुनिया को दी जाती है। काला धुआं निकलने का मतलब है कि अभी नया पोप नहीं चुना गया है। पोप लियो का जन्म अमेरिका के शिकागो में हुआ था:- पोप लियो 14 का असली नाम रॉबर्ट फ्रांसिस प्रेवोस्ट है। उनका जन्म 14 सितंबर 1955 को अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ था। वे कैथोलिक ईसाई धर्म के सबसे बड़े धार्मिक पद पर हैं। 8 मई 2025 को उन्हें कैथोलिक चर्च का 267वां पोप चुना गया था। उनसे पहले पोप फ्रांसिस इस पद पर थे। पोप बनने से पहले लियो 14 ने कई साल तक पादरी, मिशनरी और बिशप के रूप में काम किया। उन्होंने अपनी जिंदगी का लंबा समय दक्षिण अमेरिका के पेरू में बिताया। वहां उन्होंने लोगों के बीच रहकर धार्मिक और सामाजिक काम किए। उन्होंने पेरू के चिकलायो इलाके में बिशप के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। 2023 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें वेटिकन में बिशप चुनने से जुड़े अहम विभाग का प्रमुख बनाया था। बाद में उन्हें कार्डिनल भी बनाया गया। कार्डिनल कैथोलिक चर्च के वरिष्ठ धर्मगुरु होते हैं, जो नए पोप को चुनने में हिस्सा लेते हैं।

इजराइल के करीब 30 मुस्लिम बहुल देशों से राजनयिक संबंध हैं। अगर सिर्फ अरब देशों की बात करें, तो इजराइल के 5 अरब देशों से राजनयिक संबंध हैं। 1. मिस्र: मिस्र ने 1979 में इजराइल के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ऐसा करने वाला वह पहला अरब देश बना। दोनों देशों के बीच सुरक्षा और सीमा से जुड़े मुद्दों पर सहयोग होता है। 2. जॉर्डन: जॉर्डन ने 1994 में इजराइल के साथ शांति समझौता किया। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध हैं, लेकिन फिलिस्तीन के मुद्दे पर उनके बीच मतभेद भी रहे हैं। 3. संयुक्त अरब अमीरात (यूएई): यूएई ने 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए अब्राहम समझौते के तहत इजराइल के साथ संबंध सामान्य किए। इसके बाद दोनों देशों ने व्यापार, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया। 4. बहरीन: बहरीन ने भी अब्राहम समझौते के तहत राजनयिक संबंध शुरू हुए। हालांकि, फिलिस्तीन के मुद्दे पर बहरीन और इजराइल के बीच मतभेद बने हुए हैं। 5. मोरक्को: मोरक्को ने दिसंबर 2020 में इजराइल के साथ संबंध सामान्य करने पर सहमति जताई। इसके बाद दोनों देशों के बीच संपर्क और सहयोग बढ़ा। इस समझौते में अमेरिका की भी अहम भूमिका थी।

बिहार वैशाली में गंगा में डूबी नाव,13 मौत,मरने वालों में एक ही परिवार की 7 बच्चियां,15 साल की लड़की ने बचाई 2 जानें

वैशाली। बिहार के वैशाली में मंगलवार रात गंगा नदी में नाव पलटने से 13 बच्चों की मौत हो गई। सभी की उम्र 6 से 18 साल के बीच थी। मरने वालों में 7 बच्चियां एक ही परिवार की थीं। हादसा राघोपुर में



रात करीब 8:30 बजे हुआ। 25 से ज्यादा लोग छेटी नाव में सवार होकर नदी पार कर तेरहवीं के भोज में जा रहे थे। 15 साल की चांदनी ने 2 बच्चों की जान बचाई। हादसे में घायल 4 लोगों का पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। सभी बच्चों के शव गांव पहुंच गए हैं। परिजन ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। राजद सांघद बोले- इसे हादसा नहीं कहना चाहिए-राजद सांसद मनोज कुमार झा ने वैशाली जिले के राघोपुर में नाव पलटने की घटना पर कहा, 'ये प्राकृतिक घटना नहीं है, इसे हत्या की श्रेणी में रखना चाहिए। मानव निर्मित हत्या श्रृंखला बदस्तूर चल रही है। बुधवार को मुआवजे की घोषणा हुई है। कल बिसरा दिया जाएगा क्योंकि बिहार है। अन्य राज्यों की तुलना में हमारी तरफ जो दृष्टिकोण है, वो अभी भी औपनिवेशिक है।' मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, 'दुखद

और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। सरकार और प्रशासन पूरी सजगता से लगी हुई है। ऐसी घटना दोबारा ना घटे इसके लिए प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।' वैशाली डीएम बोली- थानेदार

उसमें पता चला कि इस नाव का पहले से परिचालन किया जा रहा है। मृतकों के परिजन से मिले केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान:- वैशाली के राघोपुर में नाव हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। वैशाली चिराग पासवान का संचदीय क्षेत्र है। चिराग पासवान बुधवार की सुबह मृतकों के परिजन से मिलने पहुंचे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बोले- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा-राघोपुर में नाव पलटने की घटना पर भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा, 'ये दुखद घटना है और सभी के संज्ञान में है, जो परिस्थितियां बनी हैं, सभी के समक्ष हैं परंतु जो भी इसमें दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। निश्चित तौर पर आज शाम को साफ हो जाएगा और जिसकी भी गलती होगी, उसे बख्शा नहीं जाएगा।' नाव में सवार बच्चे बोले- नाव में छेद था, इसलिए पलट गई:-वैशाली जिले के राघोपुर दियारा इलाके में नाव पलटने की घटना में बचाए गए चार बच्चे उस घटना के बारे में बताया। बच्चे ने कहा, 'नाव में मेरे समेत 25 लोग सवार थे। मेरे दादाजी ने मुझे बचाया।' आधिकारिक नाव पलट गई। जो लोग समय रहते नाव से बाहर नहीं निकल पाए, वे बच नहीं सके। मैंने एक आदमी के पैर पकड़ लिए: उसने मुझे अपने कंधों पर उठा लिया।

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी एसयूवी

मुंबई। इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म गनमास्टर जी9 के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इसमें हवा में पलटी एसयूवी नीचे खड़ी वैन पर गिरती दिख रही है। वीडियो में आउटडोर सेट पर एक कार स्टैंड नजर आ रहा है। हालांकि मेकर्स ने अब तक नहीं बताया कि यह सब प्लान किया गया था या स्टैंड के दौरान हादसा हो गया। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वीडियो में एसयूवी के नीचे गिरते ही क्रू मेंबर्स और आसपास मौजूद लोग उसकी ओर भागते दिखते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जब क्रैन का मैकेनिज्म फेल हुआ और हवा में घूम रही एसयूवी



इंच की दूरी पर आकर नीचे खड़ी वैन से टकराई। हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी क्लियर नहीं दिख रहे हैं। न ही इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो पाई है कि वह वहां मौजूद थे। गौरतलब है कि इमरान हाशमी इन दिनों गनमास्टर जी9 की शूटिंग कर रहे हैं। सेट

से सामने आए इस वीडियो में सड़क पर स्टैंड की तैयारी दिखाई गई है। वीडियो में एक एसयूवी को बड़े कंस्ट्रक्शन क्रैन सर्विस वाहन से हवा में लटकाया गया है। पक्की सड़क पर क्रू मेंबर्स और अन्य लोग इस सेटअप को देख रहे हैं। इसके बाद काउंटडाउन शुरू होता है। काउंटडाउन खत्म होते ही क्रैन की केबल से एसयूवी अचानक झटके के साथ हवा में पलट जाती है। एसयूवी नीचे की ओर घूमते हुए गिरती है और वहां खड़ी काली वैन की छत से जोरदार टक्कर होती है। इसके बाद अन्य प्रोडक्शन वाहन और क्रू मेंबर्स कार की तरफ भागते हैं। फिल्म में ये कलाकार हैं- फिल्म गनमास्टर जी9 में इमरान हाशमी ईश्वर का किरदार निभा रहे हैं।

पति को मेरा दोस्तों से मिलना पसंद नहीं, कहते हैं, पति-पत्नी के दोस्त, शौक सब एक होने चाहिए, उन्हें कैसे समझाऊं

नोएडा। वैवाहिक जीवन में इस तरह घुनीतियां आना कोई बड़ी चीज नहीं महत्वपूर्ण यह हैं की हम उस नहीं हैंडल कैसे करते हैं ? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 34 साल की वर्किंग वुमन हू। मेरी शादी को छह साल हो चुके हैं। हमारे बीच वैसे तो कोई

कि दो लोग भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के साथ अपनी अलग पहचान भी बनाए रखें। हेल्दी मैरिज की पहचान-क्वालिटी टाइम-साथ समय बिताना। भरोसा-एक-दूसरे पर पूरा विश्वास। पर्सनल स्पेस-अपने दोस्त, अपने शौक। खुला संवाद-अपनी बात खुलकर कहना। बराबरी-साझे फैंसलें, साझी जिम्मेदारियां। सम्मान-इंडीविजुअल पहचान की

दोस्तों से मिलना अच्छा लगता है। तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं मैं चाहती हूँ, तुम मुझे 'समझो'। तुम गलत हो-क्या बीच का रास्ता निकाल सकते हैं? रिश्ते में बनाएं 'स्पेस एग्जिमेंट'-कई कपल बिना बात कि उम्मीदें बना लेते हैं। बाद में वही उम्मीदें विवाद बन जाती हैं। इसलिए अपने मन से कुछ भी तय करने की बजाय मिल-बैठकर कुछ बातें तय करें- सप्ताह में कितना समय सिर्फ आप दोनों साथ बिताएंगे। महीने में कितनी बार दोनों अपने-अपने दोस्तों से मिलेंगे। आप दोनों कब और कहाँ साथ जायेंगे और कब अलग-अलग जायेंगे। पहले से इसकी जानकारी देने का तरीका क्या होगा। इस तरह के नियम दोनों के लिए समान होंगे। ACT (एक्सेटेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी टूल ACT (एक्सेटेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी कहती है कि किसी भी रिश्ते का फैसला डर से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों के आधार पर होना चाहिए। इसलिए खुद से ये सवाल पूछिए- मैं कैसी पत्नी बनना चाहती हूँ? मैं कैसी इंसान बने रहना चाहती हूँ? क्या दोनों बातें एक साथ संभव हैं? इस सवाल का जवाब अक्सर 'हां' होता है। आप एक अच्छी, कमिटेट पत्नी भी हो सकती हैं और अपने दोस्तों से जुड़ी हुई अच्छी दोस्त भी, अच्छी इंसान भी। इन बातों में कोई अंतर्विरोध नहीं है। सीमाएं तय करने से कमजोर नहीं होते रिश्ते-मनोविज्ञान में हेल्दी बाउंड्रीज बहुत महत्वपूर्ण हैं। बाउंड्रीज यानी सीमा का मतलब दीवार खड़ी करना नहीं है। इसका मतलब है- 'यह मेरी व्यक्तिगत जरूरत है और मैं चाहता/चाहती हूँ कि आप इसका सम्मान करें।' एक उदाहरण- 'महीने से अकेले मिलना चाहती हूँ। उसी तरह अगर आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताना चाहें तो मुझे भी खुशी होगी।' हेल्दी बाउंड्री-अपनी जरूरत साफ बताना। सामने वाले की जरूरत सुनना। स्पेस को सम्मान देना। न कंट्रोल करना, न छिपाना। दोनों के लिए बराबर नियम। इमोशनल बैंक अकाउंट भरते रहिए-रिश्तों के विशेषज्ञ अक्सर इमोशनल बैंक अकाउंट की बात करते हैं। अगर रिश्ते में प्यार, सम्मान, समय और भरोसा लगातार जमा होता रहे तो छोटी-छोटी असहमतियों से रिश्ता टूटता नहीं है। इसलिए जब आप दोस्तों से मिलें, उससे पहले और बाद में पति के साथ भी अच्छा समय बिताइए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि वे आपकी प्राथमिकता हैं। हेल्दी मैरिज में दो लोगों की पहचान एक नहीं होती। वो दो अलग इंसान हैं, दोनों की अलग पहचान है और न पहचानों का पूरा सम्मान है। जो रिश्ता पर्सनल स्पेस और इमोशनल कनेक्शन के बीच संतुलन बना लेता है, वही लंबा और खुशहाल होता है। अगर पति से प्यार और शांति से बातचीत की हर कोशिश नाकाम हो रही है, बार-बार शांत बातचीत के बाद भी वे-दोस्तों से मिलने पर रोक लगाते हैं। हर बार अपराधबोध महसूस कराते हैं। आपकी हर गतिविधि पर नजर रखना चाहते हैं। आपकी सोशल लाइफ धीरे-धीरे खत्म करवाने की कोशिश करते हैं। तो यह सिर्फ दो व्यक्तियों की अलग-अलग पसंद का मामला नहीं है। यह कंट्रोलिंग व्यवहार की दिशा में जा सकता है। ऐसी स्थिति में कपल काउंसलिंग मददगार हो सकती है। किसी निष्पक्ष विशेषज्ञ के सामने बातचीत करने से दोनों अपनी भावनाएं बेहतर तरीके से समझ और समझा पाते हैं।आखिर में एक बात और।

किसी भी रिश्ते का लक्ष्य दो लोगों को एक जैसा बनाना नहीं होता। लक्ष्य यह होता है कि दो अलग-अलग लोग अपनी-अपनी पहचान बचाए रखते हुए एक-दूसरे के जीवन को बेहतर बनाएं। अगर आप सम्मान के साथ अपनी जरूरत रखें और उतने ही सम्मान से उनके डर और भावनाओं को सुनें, तो इस मुद्दे का समाधान टकराव से नहीं, बातचीत से निकल सकता है।

2000 में लंदन से शुरू हुआ आईफा, अब 2028 में हॉलीवुड तक पहुंचेगा,शाहरुख और अमिताभ से जुड़े राज

लंदन। भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के मकसद से साल 2000 में लंदन से शुरू हुआ आईफा

मॉन्क्स के साथ परफॉर्मस यादगार रहा। इसके अंत में जैकी चैन का स्टेज पर आना भी खास था। सवाल: आईफा का विचार



आज 27 साल का सफर तय कर चुका है। अमिताभ बच्चन से लेकर शाहरुख खान, सलमान खान और ऋतिक रोशन तक, बॉलीवुड के कई बड़े सितारों की मौजूदगी ने इस मंच को खास बनाया है। अबू धाबी में होने वाले आगामी आईफा में भी कई नई चीजें देखने को मिलेंगी। सलमान खान का मल्टी-स्टार परफॉर्मस, जान्हवी कपूर का मां श्रीदेवी को ट्रिब्यूट, डिजिटल मंच पर मिर्जापुर गैंग की मेजबानी और हिमेश रेशमिया की पहली आईफा परफॉर्मस इस बार के

आखिर आया कहाँ से?जवाब : इससे पहले हम आठ-नौ साल तक घरेलू स्तर पर अवॉर्ड शो कर रहे थे। साल 2000 में हमने सोचा कि भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाना चाहिए। हमारे सामने क्रिकेट और सिनेमा जैसे विकल्प थे, लेकिन हमने सिनेमा चुना। हिंदी फिल्मों में संगीत, भावनाएं और ड्रामा लोगों को जोड़ते हैं। विदेशों में रहने वाली भारतीय मूल की दूसरी और तीसरी पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना भी हमारा उद्देश्य था। हम भारतीय

आईफा की पहचान बनी रही। किन चीजों से आप कभी समझौता नहीं करते? जवाब: सबसे जरूरी है सम्मान और भरोसा। इंडस्ट्री को पता है कि हमारी नीयत साफ है और हम भारतीय सिनेमा को दुनिया में सम्मान दिलाना चाहते हैं। दूसरी चीज क्वालिटी है। कलाकारों को भूगतान करने के साथ हम स्टैंड, प्रोडक्शन और तकनीकी व्यवस्थाओं पर भी बड़ा निवेश करते हैं। तीसरी बात है नए प्रयोग। हमने साउथ इंडियन सिनेमा के लिए आईफा उत्सवम, डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए डिजिटल अवॉर्ड्स और क्रिएटर्स के लिए आईफा इनसाइडर जैसे कॉन्सेप्ट शुरू किए हैं। अब

योजनाएं हैं। सवाल: पिछले साल ओटीटी और इस बार यूट्यूब लाइव के जरिए डिजिटल दर्शकों को जोड़ने की क्या रणनीति है? जवाब: पारंपरिक टीवी और डिजिटल, दोनों की अपनी अहमियत है। टीवी का दर्शक वर्ग व्यापक है, जबकि यूट्यूब पर युवा पीढ़ी ज्यादा सक्रिय है। हम दोनों को साथ लेकर चलना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य आईफा की मूल पहचान को बरकरार रखना है- संगीत, डॉस, मस्ती और सिनेमा का उत्सव। डिजिटल मंच के जरिए उन दर्शकों तक भी पहुंचना चाहते हैं जो पारंपरिक टीवी से अलग तरीके से मनोरंजन देखते हैं। सवाल: सलमान खान के परफॉर्मस को

बना रहे हैं। इसमें भारतीय सिनेमा और हॉलीवुड को एक मंच पर सम्मानित करने का विचार है। कल्पना कीजिए कि शाहरुख खान और केविन हार्ट साथ में होस्टिंग करें, बिली आइलिश और ए.आर. रहमान परफॉर्म करें या ऋतिक रोशन और जेनिफर लोपेज साथ नजर आए। हम इसी तरह के बड़े अंतरराष्ट्रीय सहयोग की कल्पना कर रहे हैं। सवाल: 27 साल के सफर में सबसे चुनौतीपूर्ण और सिनेमा कौन-से रहे? जवाब: श्रीलंका और टोरंटो के आयोजन बहुत चुनौतीपूर्ण रहे। श्रीलंका में आंतरिक परिस्थितियों के तुरंत बाद आयोजन करना आसान नहीं था। टोरंटो में शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा जैसे सितारे मौजूद थे, लेकिन कई दूसरे कलाकारों की फ्लाइट कैंसल होने और लॉजिस्टिक्स की समस्याओं ने आखिरी समय में काफी तनाव पैदा कर दिया था। बड़े आयोजनों में सब कुछ योजना के मुताबिक नहीं चलता। ऐसे समय में टीम का साथ और समय पर फैसले लेना सबसे जरूरी होता है। सवाल: आईफा के दौरान सलमान खान से जुड़ा कोई ऐसा किस्सा जो आज भी याद हो? जवाब: सलमान को दुबई आना था। सुबह चार बजे की फ्लाइट में वे बैठ चुके थे, तभी उन्होंने फोन करके कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं लग रही और वे सुबह नौ बजे की फ्लाइट से आएंगे। मैंने पूछा कि अब उनका सामान कैसे उतरेगा? उन्होंने कहा कि सामान वहीं रहने दो, वे घर जाकर सुबह नौ बजे आ जाएंगे। मुझे लगा कि शायद



गुजराती सिनेमा के लिए आईफा रंगीलो और मराठी सिनेमा से जुड़े आयोजनों की भी योजना है। सवाल: इस बार अबू धाबी में आईफा की सबसे बड़ी खासियत क्या होगी? जवाब: इस बार हम पारंपरिक अवॉर्ड

लेकर हर बार उत्सुकता रहती है। इस बार क्या नया होगा? जवाब: हम सलमान से मिलने वाले हैं। वे भी अपने एक्ट में कुछ नया और अलग करना चाहते हैं। इस बार उनवें परफॉर्मस में कई दूसरे सितारे



शो के साथ डिजिटल दर्शकों को भी जोड़ रहे हैं। मेन स्ट्रेज पर वरुण धवन होस्ट करेंगे। डिजिटल मंच पर पंकज त्रिपाठी, अली फजल और अभिषेक बनर्जी होस्टिंग करेंगे। 'मिर्जापुर' से जुड़े इन कलाकारों को एक अलग अंदाज में देखना दिलचस्प होगा। परफॉर्मस में सलमान खान,

भी शामिल होंगे। यानी दर्शकों को मल्टी-स्टारर परफॉर्मस देखने को मिलेंगी। मीटिंग के बाद इसकी बाकी डिटेल्स काइलन होंगी। सवाल: दोबारा अबू धाबी जाने की क्या वजह रही? जवाब: हम ग्रीस, मलेशिया और सिंगापुर जैसे विकल्पों पर विचार कर रहे थे, लेकिन अबू धाबी सबसे मुफीद लगा। भारत से इसकी दूरी भी कम है। यास एरिना और वहां का प्रशासन हमारे साथ बहुत सहजता से काम करता है। सलमान से बात हुई तो उन्होंने मजाक में कहा कि अबू धाबी पास है, इसलिए उन्हें ज्यादा दूर न ले जाया जाए। यह सहजता और आपसी समझ हमारे लिए मायने रखती है। सवाल: अबू धाबी में मनोरंजन के अलावा और क्या खास होगा? जवाब: हम छात्रों वेंग लिए मास्टरक्लास आयोजित कर रहे हैं। 'फ्रेंड्स ऑफ आईफा' के तहत करीब 150 स्थानीय छात्रों को जोड़ने की योजना है। मीडिया और एंटरटेनमेंट पर बिजनेस फोरम भी होगा। तेलंगाना हमारा स्टेट पार्टनर बना है। वह अपनी फिल्म सिटी और फिल्म इस्टीमेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करेगा। हमारा मकसद आईफा को सिर्फ एक अवॉर्ड शो नहीं, बल्कि सिनेमा, कारोबार, शिक्षा और संस्कृति से जुड़ा बड़ा मंच बनाना है। सवाल: क्या इस बार किसी इंटरनेशनल स्टार के आने की भी संभावना है? जवाब: हम कुछ अंतरराष्ट्रीय सितारों से संपर्क में हैं। यह देख रहे हैं कि आयोजन के समय कौन इस क्षेत्र में मौजूद हो सकता है। इस बारे में अंतिम तस्वीर बाद में साफ होगी। हम स्थानीय सितारों को भी मंच पर शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल: 2014 में टाप्पा आईफा में जॉन ट्रैवोल्टा आए थे। क्या भविष्य में ऐसे और अंतरराष्ट्रीय सहयोग देखने को मिलेंगे? जवाब: बिल्कुल, भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाना हमेशा से हमारा उद्देश्य रहा है। इसी दिशा में हम 2028 में लॉस वेगास में अंग्रेजी भाषा में आईफा वर्ल्डवाइड लॉन्च करने की योजना

वे नहीं आ पाएंगे, लेकिन वे घर गए, सोए भी नहीं और नौ बजे की फ्लाइट पकड़कर पहुंच गए। वे तीन-चार घंटे मेरे लिए बहुत तनावपूर्ण थे, लेकिन उनका कमिटमेंट शानदार था। सवाल: इतने बड़े सितारों के साथ काम करते हुए किससे सबसे ज्यादा सीखने को मिला? जवाब: अमिताभ बच्चन जी के साथ काम करना है, तो वह किसी आयोजक का नाम लेने के बजाय अमिताभ बच्चन, सलमान खान या शाहरुख खान का नाम लें। यही हमारी सफलता है। हम सब एक परिवार की तरह हैं और चाहते हैं कि यह परिवार दुनिया भर में और बड़ा हो।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41युपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNI.NO.UPHIN/2016/63398
www.adhunikasamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु 10/04/2020 10 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।



को संभालना, सभी की व्यवस्था करना और शो को तय समय पर शुरू करना बड़ी चुनौती थी। अक्षय कुमार का शाओलिन

टिकट शिक्री और विदेशी सरकारों के सहयोग से आईफा का एक टिकाऊ मॉडल तैयार हुआ। सवाल: इतने सालों में

करेंगी। इसके अलावा डिजिटल अवॉर्ड्स में हिमेश रेशमिया पहली बार आईफा में परफॉर्म करेंगे। उनके एक्ट को लेकर हमारी बड़ी